हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

यह कैलेंडर पर लिखी तारीख नहीं, नए कालचक्र का उद्गम है

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने 8000 से अधिक अतिथि, रामभक्त

राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है।

\- नरेंद्र मोदी

84 सेकंड में जी उठीं कई सदियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में सोमवार को श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। पीएम मोदी 84 सेकंड के 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुई 'प्राण प्रतिष्ठा' के साथ मंदिर में कई अनुष्ठान किए। अनुष्ठान खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने भगवान राम के बाल स्वरूप वाली मूर्ति को साष्टांग प्रणाम किया। इधर, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में मंदिरों को फूलों और लाइट से सजाया गया। अलग-अलग जगहों पर लाखों दीये जलाए गए।

राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अलौकिक पल के साक्षी देश-विदेश में लाखों रामभक्त बने। इस अवसर पर विशेष अनुष्ठान में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे अलौकिक क्षण बताते हुए 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' का उद्घोष किया। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सेना के हेलीकॉप्टरों ▶▶| शेष पेज 4 पर

- देशभर में दिवाली गांव से शहर तक रामनाम की रही धूम
- आज से रामलला के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु
- पीएम ने मंदिर निर्माण में लगे श्रमिकों से की बात, बरसाए फूल

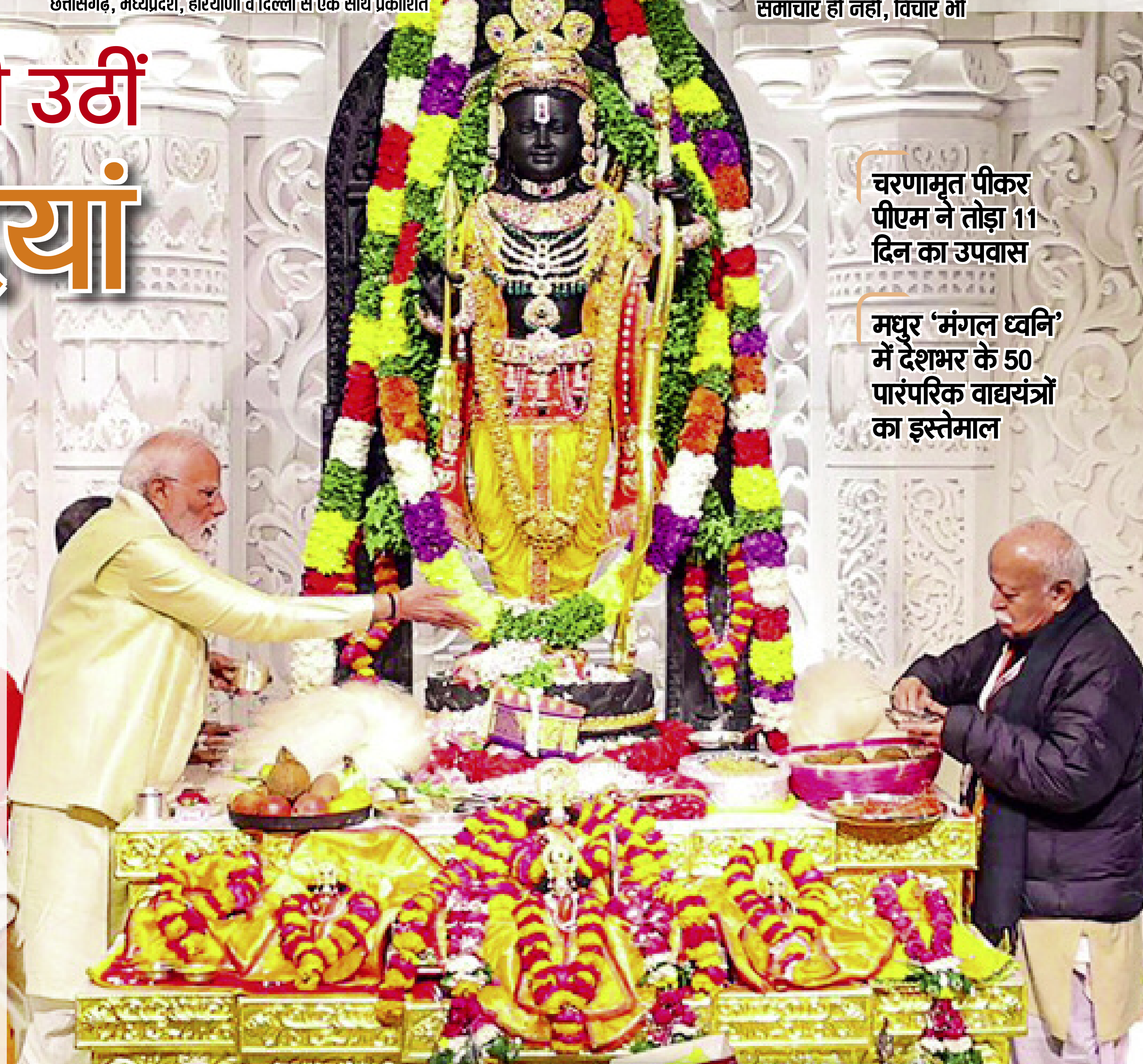

चरणामृत पीकर पीएम ने तोड़ा 11 दिन का उपवास

मधुर 'मंगल ध्वनि' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल

पीएम मोदी ने कहा

त्याग, तपस्या के बाद आए हैं राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवसर केवल जीत का नहीं बल्कि विनम्रता का है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। उन्होंने कहा कि लंबी प्रतीक्षा, त्याग, तपस्या और सदियों के बलिदान के बाद हमारे राम आज आए हैं। पीएम मोदी ने अपने 36 मिनट के भाषण में कहा, हमें आज से, ▶▶| शेष पेज 4 पर

भागवत बोले

एकजुट रहें, क्योंकि राम राज्य आ रहा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है। देश में सभी को मतभेद त्याग कर एकजुट रहना चाहिए। भागवत ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अकेले ही तप किया है और अब हम सभी को यह करना है। भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण ▶▶| शेष पेज 4 पर

देशभर में रामोत्सव

- मुंबई के सायन कोलीवाड़ा इलाके में 10,000 वर्ग फीट में भगवान राम की विशाल रंगोली बनाई गई
- अयोध्या राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के बाद लाखों दीयों से रोशन हुआ सरयू घाट

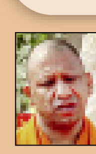

आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर ग्राम, हर नगर अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी हैं। हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं। यह 'राम राज्य' की शुरुआत है। ऐसा लगता है कि हम त्रेता युग में प्रवेश कर गए हैं।

\- योगी आदित्यनाथ

- प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु
- जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सबसे ऊंचे मंदिर पर युवाओं ने भगवान राम का झंडा फहराया

राम का ननिहाल हुआ निहाल, मनी दिवाली

मुख्यमंत्री के साथ भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर और महंत रामसुंदर दास भी रहे शिवरीनारायण के कार्यक्रम में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर छत्तीसगढ़ भी राम के रंग में रंगा रहा। राज्यभर में दिवाली जैसा माहौल रहा। दिनभर पूजा-पाठ, भंडारे के बाद शाम को आतिशबाजी और पटाखों ने उत्साह दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ की पवित्र भूमि में से एक शिवरीनारायण पहुंचे, जहां भगवान श्रीराम ने माता शबरी के जूठे बेर खाये थे। यहां पर मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा अर्चना करने के साथ अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण भी देखा। इसके ▶▶| शेष पेज 4 पर

साव- शर्मा ने की पूजा-अर्चना

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सवेरे बिलासपुर के तिलक नगर स्थित श्रीराम मंदिर में सपत्नीक श्रीराम भगवान की पूजा-अर्चना की। ▶▶| शेष पेज 4 पर

बृजमोहन रायपुर के कार्यक्रमों में

धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल राजधानी रायपुर के विभिन्न धार्मिक स्थलों में आयोजित रामोत्सव समारोह में शामिल हुए। श्री अग्रवाल दूधाधारी मठ स्थित राम दरबार, सदर बाजार स्थित मंदिर एवं आकाशवाणी चौक स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना की और समस्त प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर ▶▶| शेष पेज 4 पर

टाइम्स स्क्वायर

राम रंग में रंगी दुनिया

न्यूयार्क। अयोध्या में सोमवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में जश्न का मौहाल है। अमेरिका से लेकर मॉरीशस और त्रिनिडाड और टोबैगो जैसे देशों में रामभक्तों का उत्साह बना हुआ है। अमेरिका के न्यूयॉर्क से लेकर वॉशिंगटन और लॉस एंजेलिस तक रामभक्त भक्ति और आस्था में डूबे नजर आए। न्यूयॉर्क के लोकप्रिय टाइम्स स्क्वायर पर प्रार्थनासभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कार रैली निकाली गई और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

टाइम स्क्वायर से एफिल टावर तक जश्न

अमेरिका से मॉरिशस तक रामभक्ति में डूबे लोग

कहीं कार रैली, कहीं रामलला उत्सव की धूम

टाइम्स स्क्वायर

जनकपुर में झूमे लोग

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर नेपाल स्थित माता सीता की नगरी जनकपुर में अयोध्या जैसा भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। माता सीता की नगरी जनकपुर में राम भक्त बड़े ही उत्साह के साथ झूम रहे हैं। लोग सड़क पर आकर जनकपुर महल के सामने खुशी से नृत्य करने लगे। वहीं इस दौरान लोगों ने शोभायात्रा निकालकर अपने उत्साह को प्रकट किया।

आज से आप भी कर सकेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या के राम मंदिरा में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुक है। 22 जनवरी को वीआईपी आवागमन के लिए राम मंदिर को आम जनता के लिए नहीं खोला गया था। हालांकि 23 जनवरी से सभी लोग रामलला के दर्शन कर पाएंगे। हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसलिए रामलला के दर्शन के लिए हर श्रद्धालु को 15 से 20 सेकंड का ही समय मिलेगा।

कब कर सकेंगे दर्शन?

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के मुताबिक, मंदिर को दर्शन के लिए सुबह और शाम साढ़े 9 घंटे खोला जाएगा। सुबह 7 बजे से 11.30 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शन हो सकेंगे।

आरती का समय

वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, सुबह साढ़े 6 बजे और शाम को साढ़े 7 बजे आरती होगी। सुबह की आरती में शामिल होने के लिए पहले से बुकिंग करवानी होगी। शाम की आरती के लिए उस दिन भी बुकिंग हो सकती है।

ऐसे होगी बुकिंग

आरती में शामिल होने के लिए पास जारी किए जाएंगे। ये पास श्रीराम जन्मभूमि के कैम्प ऑफिस से मिलेंगे। आरती शुरू होने से आधे घंटे पहले पास मिलेगा। पास लेने के लिए सरकारी आईडी प्रूफ साथ ले जाना होगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर भी पास लिया जा सकता है।

आरती के लिए पास

आरती पास सेक्शन के मैनेजर ध्रुवेश मिश्रा ने न्यूज एजेंसी को बताया था कि पास फ्री में जारी किया जाएगा। एक वक्त की आरती के लिए फिलहाल 30 लोगों को ही पास दिया जाएगा। बाद में इस संख्या को और भी बढ़ाया जा सकता है।

राममय हुआ अमेरिका

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखने के लिए भारतीय समुदाय के हजारों नागरिक उमड़े। इस दौरान टाइम्स स्क्वायर श्रीराम और राम मंदिर की 3डी तस्वीरों से सरोबार हो गया। यहां पारंपरिक पोशाक में लोगों को भजन गाते और नाचते देखा जा सकता है। वहीं, वॉशिंगटन डीसी के वर्जीनिया की फेयरफैक्स काउंटी में एसवी लोटस मंदिर पर भी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी नागरिकों सहित 2500 से अधिक लोग शामिल हुए। इस मौके पर लॉस एंजेलिस में कार रैली का आयोजन किया। लगभग 250 काफिले की इस रैली में 1000 लोगो ने हिस्सा लिया।

मॉरिशस, त्रिनिडाड एंड टोबैगो में जश्न

त्रिनिदाद और टोबैगो में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोगों ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान 5000 से अधिक लोग शरीक हुए। इसी तरह, मॉरिशस सरकार में सरकारी कर्मचारियों के लिए दो घंटे की विशेष छुट्टी का ऐलान किया था। इस दौरान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार ने कहा कि यह खुशी का मौका है कि श्रीराम अयोध्या आए हैं।

एफिल टॉवर, पेरिस

फिजी में उत्सव ऑस्ट्रेलिया में कार रैली

फिजी की राजधानी सुवा में इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस ने भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। ऑस्ट्रेलिया में भी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कई सार्वजनिक कार्यक्रम किए गए। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के सैकड़ों मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 1 लाख कार्यक्रम

अयोध्या के राम मंदिर में संपन्न हुए प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देशभर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। केवल व्यापारिक संगठनों की बात करें, तो विभिन्न प्रदेशों में लगभग 50 हजार जगहों पर सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ हुआ है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल का कहना है, इस अवसर पर देश के विभिन्न शहरों की मार्केट में 30 हजार से अधिक स्थानों पर भंडारे लगाए गए हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक राम को लेकर करीब 40 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस तरह देशभर में आयोजित सभी कार्यक्रमों को मिलाकर वह आंकड़ा, एक लाख की संख्या को पार कर गया है।

- **50,000 जगहों पर सुंदरकांड, 30 हजार भंडारों का आयोजन**

अमेरिका, ब्रिटेन से लेकर अरब के समाचार-टीवी चैनलों ने दी जगह

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा वर्ल्ड मीडिया में रही चर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में बन रहे विशाल राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। भारत के लोग ही नहीं बल्कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के बीच भी आज दीवाली जैसा जश्न देखने को मिल रहा है। विदेशी मीडिया में भी राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खूब चर्चा है।

ब्रिटिश मीडिया : ब्रिटिश ब्रॉडकास्टर ने लिखा कि पीएम मोदी ने मंदिर निर्माण को एक बड़ी सफलता बताया है और कहा है कि देश मंदिर का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पीएम मोदी के एक भाषण के हवाले से रिपोर्ट में लिखा गया, 'पीएम मोदी ने इस महीने की शुरुआत में अपने एक संदेश में कहा था कि कई पीढ़ियां इस क्षण का इंतजार कर रही थीं।

रूस की सरकारी मीडिया : रूस के अखबार रशिया टुडे (आरटी) ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि अयोध्या में राम मंदिर के बनने से शहर की कायापलट हो गई है।

नेपाली अखबार : नेपाल के प्रमुख अखबार 'द काठमांडू पोस्ट' ने अपनी एक रिपोर्ट में लिखा कि मंदिर के उद्घाटन में भगवान राम से भी अधिक जो व्यक्ति लाइमलाइट बटोर रहा है, वो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य के प्रधानमंत्री हैं।

अमेरिकी मीडिया

अमेरिका के ब्रॉडकास्टर एनबीसी न्यूज ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया जो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 'धार्मिक तनाव' का प्रतीक बन गया है। अयोध्या में बन रहा मंदिर राम का मंदिर है जो प्रमुख हिंदू देवता हैं। यह मंदिर 30 लाख आबादी वाले शहर अयोध्या की कायापलट कर उसे एक पर्यटक स्थल बनाने में अहम भूमिका बनाएगा।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अखबार

यूएई के अखबार गल्फ न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट को शीर्षक दिया है- नरेंद्र मोदी का अयोध्या के हिंदू मंदिर का उद्घाटन करना भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

अलजजीरा टीवी

कतर स्थित टीवी नेटवर्क अलजजीरा ने एक ऑपिनियन लेख में लिखा है कि 'भारत की धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई है। भारत की राजनीतिक टिप्पणीकार इंसिया वाहन्वति के लिखे लेख में कहा गया है कि धर्मनिरपेक्ष भारत के किसी प्रधानमंत्री का मंदिर का उद्घाटन करना अनुचित है।

छलक पड़े आंसू... गले लगकर खूब रोईं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती

जब जीवन का सबसे बड़ा सपना पूरा होता है तो उसकी खुशी को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शुमार रहीं साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी भव्य राम मंदिर को अपनी आंखों के सामने देख अपने आंसू नहीं रोक पाई और दोनों नेता गले लगकर खूब रोईं। दोनों की तस्वीरें सामने आईं हैं। 6 दिसंबर 1992 को जब अयोध्या में लाखों कारसेवक पहुंचे थे तो कारसेवकों की भीड़ का नेतृत्व करने वालों में साध्वी ऋतंभरा और उमा भारती भी शामिल थीं।

गूगल ट्रेंड्स में सिर्फ राम ही राम

500 वर्षों से अधिक का इंतजार खत्म होने के साथ ही अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हो गई है। रामलला राम मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हो गए हैं। जहां उनकी आरती की गई। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गूगल पर इतने सर्चेज हुए हैं जितने इससे पहले शायद ही कभी हुए होंगे। यह शायद पहला मौका है जब गूगल टेंड्स के सभी टॉप-10 सर्च राम मंदिर से जुड़े हैं। इससे पहले एक ही टॉपिक पर पिछले 24 घंटे में इस तरह के टेंड्रस देखने को नहीं मिले हैं।

अयोध्या और अयुथ्या : भारत के अयोध्या की आज पूरी दुनिया में खूब चर्चा हो रही है। अयोध्या के जैसे नाम वाले एक एक और शहर दुनिया में है। ये शहर 1350 में स्थापित हुआ था। और थाईलैंड में मौजूद है। शहर का नाम अयुथ्या है।

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
घमंडी - दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।

दिल्ली-मुंबई को भी छोड़ा पीछे

अयोध्या धाम के एयरपोर्ट ने बनाए दो बड़े रिकॉर्ड

अयोध्या। सोमवार को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लेकर पूरे देश की निगाहें अयोध्या पर टिकी रहीं। देश की कई जानी मानी हस्तियां इस भव्य समारोह में हिस्सा लेने अलग-अलग एयरक्राफ्ट में अयोध्या के भव्य एयरपोर्ट पर उतरीं। नए बने एयरपोर्ट ने एक नहीं दो दो रिकॉर्ड बना डाले। इस तरह का रिकॉर्ड देश के प्रमुख दिल्ली या मुंबई एयरपोर्ट भी नहीं बना पाए हैं।

पहला रिकॉर्ड

अयोध्या एयरपोर्ट के नाम पहला रिकॉर्ड यह है कि इसे बहुत कम समय में तैयार किया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन संजीव कुमार के अनुसार, अयोध्या हवाई अड्डे को 20 महीने के रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। एएआई ने 2022 के अप्रैल में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

दूसरा रिकॉर्ड

अयोध्या एयरपोर्ट के नाम दूसरा रिकॉर्ड है कि अयोध्या धाम एयरपोर्ट को तैयार होने के केवल 17 दिन के अंदर ही इसे देश के चारों कोनों से जोड़ दिया गया है। अब इस एयरपोर्ट से सीधे दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और अहमदाबाद से फ्लाइट्स उपलब्ध हैं। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 दिसंबर को हुआ था और 17 दिन में चारों शहरों के लिए फ्लाइट शुरू हो चुकी थीं। इतनी जल्दी चार शहरों के लिए फ्लाइट शुरू होना अपने आप में रिकार्ड है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 8223883311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, कैनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 9827000035
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508133

रायपुर
मंगलवार, 23 जनवरी 2024
पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 22, अंक : 187
पृष्ठ : 14+4+4= 22, मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 26.0
न्यून. 15.2

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

8 अयोध्या में दिखा सितारों का पारंपरिक...

विचार पेज
2 बदले भारत का प्रतीक बनी अयोध्या

छत्तीसगढ़ को भय और भ्रष्टाचार मुक्त करके राम राज्य लाने का काम होगा

जब तक हमारी सरकार रहेगी, तब तक चलेगी रामलला दर्शन की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। अब भाजपा का लक्ष्य देश के साथ हर राज्य में भी राम राज्य लाने का रहेगा। छत्तीसगढ़ को भय और भ्रष्टाचार मुक्त करके राम राज्य लाने की दिशा में काम किया जाएगा। हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों को जब तक भाजपा की सरकार रहेगी रामलला के दर्शन कराने के लिए अयोध्या भेजा जाएगा। ये बातें प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आईएनएच और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सार्थक संवाद में कहीं। प्रस्तुत है उनके साथ हुई बातचीत।

▶▶ *आज के दिन को किस रूप में देख रहे हैं?*

▶▶ आज 22 जनवरी का दिन है, यह अपने देश भारत ही नहीं विश्व के लिए भी ऐतिहासिक दिन है। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम जो करोड़ों लोगों के आदर्श हैं, उनका 500 साल बाद एक बार फिर से अयोध्या में आगमन हुआ है। आज उनकी प्राण प्रतिष्ठा की गई है। यह अवसर देश के लिए गौरवशाली है। छत्तीसगढ़ के लिए उत्साह दोगुना हो जाता है, क्योंकि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है। छत्तीसगढ़ माता कौल्शया की धरती है। शिवरीनारायण माता शबरी की नगरी है। उन्होंने भगवान श्री राम को बेर खिलाने का काम किया था। भगवान श्री राम के 14 साल के वनवास का ज्यादातर समय छत्तीसगढ़ में ही बिता है। आज हम लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अयोध्या में भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा करते हुए यहां पर शिवरीनारायण में लाइव देखा है।

▶▶ ***भगवान श्री राम के तो छत्तीसगढ़ में और कई स्थान हैं, लेकिन आपने शिवरीनारायण को ही अयोध्या का लाइव देखने के लिए क्यों चुना?***

▶▶ शिवरीनारायण का चयन इसलिए किया क्योंकि मैं स्वयं आदिवासी समाज से हूं और माता शबरी भी आदिवासी समाज की थीं। भगवान श्री राम के वनवास के समय उनके साथ ज्यादातर वनवासी ही उनके साथ सेना के रूप में साथ थे। ऐसे में मेरी परम इच्छा थी ऐसे अवसर पर हम माता शबरी के धाम शिवरीनारायण में रहेंगे, इसलिए आज हम यहां हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

▶▶ *आप उस आंदोलन में सबसे ज्यादा प्रभावित किनके भाषणों से हुए, क्या आपने भी नारे लगाए?*

▶▶ हमने भी नारे लगाए थे कसम राम की खाते हैं मंदिर वहीं बनाएंगे। स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव मेरे राजनीति गुरु रहे हैं। उनसे सब प्रभावित रहते थे। उनके बारे में कहा जाता था, राजा नहीं फकीर है, छत्तीसगढ़ का वीर है।

▶▶ *राम जन्म भूमि आंदोलन का हिस्सा किसकी प्रेरणा से बने?*

▶▶ मैं उस समय छोटा था, हमारा पूरा परिवार जनसंघी रहा है। मेरे दादा जी जनसंघी थे। मेरे बड़े पिताजी जनसंघ के विधायक थे। ऐसे में मेरा नाता भी राम जी से जुड़ गया और मैं भी राम जन्म भूमि आंदोलन का हिस्सा बन गया।

▶▶ **छत्तीसगढ़ में भी राम राज्य की कोई परिकल्पना है क्या, है तो क्या है?**

▶▶ राम राज्य छत्तीसगढ़ में भी आएगा। भाजपा की परिकल्पना है राज्यों के साथ देश में भी राम राज्य आए। उस दिशा में हम काम भी करेंगे। छत्तीसगढ़ भय मुक्त हो, भ्रष्टाचार मुक्त हो उस दिशा में काम करेंगे। अंतिम व्यक्ति तक विकास और मदद पहुंचे उस दिशा में काम होगा। हमारे प्रधानमंत्री का नारा भी है, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। इस पर काम किया जाएगा। ▶▶|शेष पेज 4 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एक करोड़ घरों पर 'रूफटॉप' सोलर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' आरंभ करेगी जिसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर दिल्ली लौटने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घरों की छतों पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

प्राण-प्रतिष्ठा के दिन गूंजी किलकारी किसी ने राम रखा नाम, किसी ने सिया..

आधी छुट्टी के बाद भी स्वास्थ्य केंद्रों में इमरजेंसी में होती रही डिलीवरी

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के दिवस पर कई घरों में बच्चों की किलकारी गूंजी। राम महोत्सव के दिन मिली दोहरी खुशी से अभिभूत ज्यादातर माता-पिता ने बच्चों का नाम सीता, राम पर करने का फैसला लिया है। कई परिवार भक्ति भावना से प्रेरित हैं, मगर बच्चों के नामकरण के लिए पंडितों की सलाह लेने का इंतजार कर रहे हैं।

रविवार अवकाश के बाद प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन शासकीय अस्पतालों में छुट्टी थी। स्वास्थ्य केंद्रों में आपातकाल और प्रसव के मामलों को देखते हुए इमरजेंसी व्यवस्था की गई थी। रविवार की रात से लेकर सोमवार को दिनभर स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव पीड़ा के साथ महिलाएं पहुंचती रहीं और चिकित्सकीय स्टाफ उनकी डिलीवरी कराता रहा है। प्रसव की असहनीय पीड़ा के ▶▶|शेष पेज 4 पर

अष्टविनायक में जन्मी बिटिया, नाम रखा सिया

विधानसभा रोड स्थित अष्टविनायक हास्पिटल में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अजब संयोग हुआ। मोवा की एक महिला प्रेग्नेंट थी। उसका इलाज अष्टविनायक हास्पिटल की डायरेक्टर और प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अर्चना रंजन कर रही थीं।

वैसे उसकी डिलीवरी डेट फरवरी में संभावित थी। लेकिन आज के ही दिन उसे सुबह अचानक तेज दर्द शुरू हुआ। उसकी डिलीवरी की गई। महिला ने बच्ची को जन्म दिया। प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. अर्चना रंजन ने बताया कि बच्ची के मां बाप बच्ची को देख बहुत प्रसन्न हुए। आज शुभ अवसर भी था, जब पूरा देश श्रीराम के नाम का स्मरण कर रहा है। आज के शुभ संयोग के दिन मां बाप ने बच्ची का नाम सिया रखने का फैसला ▶▶|शेष पेज 4 पर

बेटी का नाम जानकी

तिल्दा नेवरा में रहने वाले तोषण कुमार और सानिया सोनी के घर सोमवार की शाम बेटी का जन्म हुआ। तिल्दा स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित प्रसव के बाद हरिभूमि से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि इस पावन दिवस पर उनके घर बेटी आई है। उसका नाम वे जानकी रखने की सोच रहे हैं। इसके लिए घरवालों से भी चर्चा करेंगे।

बलराम रखेंगे नाम

ग्राम मुर्रा में रहने वाले लीलाधर धीवर ने बताया कि वह मजदूरी का काम करता है। बंगोली स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने पत्नी मंजू को आज डिलीवरी की तारीख दी थी। प्राण-प्रतिष्ठा का पहले से पता होने के कारण बेटा होने पर उसने पहले ही बलराम नाम सोच रखा था। आज सुबह 11.20 बजे उनके घर बेटे के रूप में भगवान ने जन्म लिया है, जिसका नाम बलराम तय है।

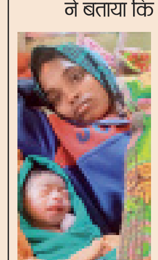

राम से मिलता नाम

आमासिवनी स्वास्थ्य केंद्र में रोहित और खुशी नागरहा के घर बेटे का जन्म हुआ। शाम पौने चार बजे हुई डिलीवरी के बाद माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं है। अस्पताल के चिकित्सकीय स्टाफ ने बताया कि रोहित बेटे का नाम भगवान राम से मिलता-जुलता रखना चाहते हैं, इसके लिए उन्होंने पंडितों से चर्चा करने की बात कही है।

जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में 77 डिलीवरी

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि अवकाश को देखते हुए सभी स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए थे। सोमवार को आंबेडकर अस्पताल में 19, जिला अस्पताल में 18 साथ ही 18 सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 40 डिलीवरी की गई। इसमें 51 नार्मल तथा 26 सीजर प्रक्रिया पूरी की गई। प्रसव की इस प्रक्रिया में 42 बेटे और 35 बेटियों ने जन्म लिया।

देशभर में दिवाली जैसा जश्न

पीएम ने अपने आवास पर जलाई 'राम ज्योति'

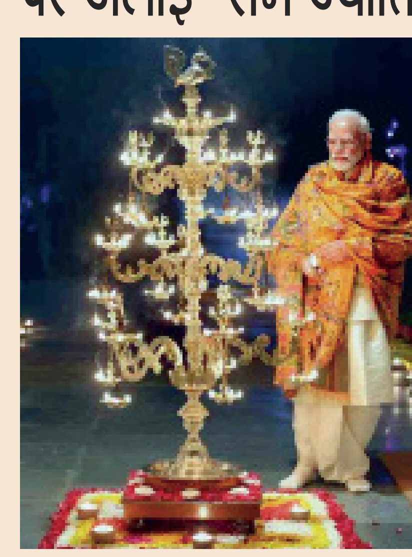

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को सात, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर राम ज्योति जलाई। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, राम ज्योति। उन्होंने कहा, आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं।

घटना जीआरपी चौकी क्षेत्र की, बाइक से युवक घर जा रहा था

चाइनीज मांझे ने फिर ली एक युवक की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पतंग उड़ाने के दौरान चाइनीज मांझे से गला कटने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी लगने पर मौके पर चरोदा जीआरपी पहुंची। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां युवक की मौत हो गई। जीआरपी चरोदा प्रभारी गोपी सिंह पैकरा ने बताया कि ग्राम बेदरागोडी थाना गेंदातोली जिला राजनंदगांव निवासी अजय कुमार टंडेकर 18 वर्ष अपने ▶▶|शेष पेज 4 पर

■ देवबलौदा जाने वाली सड़क पर हुआ हादसा

छत्तीसगढ़ का पहला मामला

चाइनीज मांझे से गला कटने की घटना प्रदेश का पहला मामला है। जहां अजय नामक युवक के गले में मांझा फंसने से गला कट गया और अधिक खून बह जाने से उसकी अस्पताल में मौत हो गई। शव को पीएम के लिए मरचूरी में रखवा दिया गया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच में जुटी हुई है।

ऑनलाइन से अब घर-घर पहुंच रहा चाइनीज मांझा

हरिभूमि तत्काल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चाइनीज मांझा का कहर भोपाल सहित देश के और कई शहरों में देखने के बाद छत्तीसगढ़ में भी सामने आने लगा है। इसी कड़ी में भिलाई, चरोदा के पास चाइनीज ▶▶|शेष पेज 4 पर

पतंग कारोबारियों ने कहा- हम नहीं रखते

बूढ़ापारा तथा सदर बाजार के तीन अलग-अलग पतंग कारोबारियों से हरिभूमि की टीम ने चाइनीज मांझे को लेकर सवाल किया गया, तो उन लोगों का कहना था कि वे ▶▶|शेष पेज 4 पर

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम में हाई वोल्टेज ड्रामा

मंदिर में प्रवेश नहीं मिला, धरने पर बैठे राहुल!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी पूर्वोत्तर के राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। कुछ जगहों पर कथित तौर पर कांग्रेस नेताओं के ऊपर हमले की भी खबर सामने आई है। वहीं, सोमवार को भी राहुल गांधी के एक मंदिर में प्रवेश करने को लेकर काफी देर तक हंगामा होता रहा है। मंदिर में नहीं जाने से नाराज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी धरने पर बैठ गए हैं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने सरकार पर भी कई सारे सवालिया निशान खड़े किए हैं। बता दें कि असम के नगांव जिले में स्थित वैष्णव संत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जाने के लिए राहुल गांधी वहां पहुंचे हुए थे, लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि प्राधिकारी उन्हें नगांव स्थित श्री श्री शंकरदेव मंदिर में जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी ने असम के नगांव स्थित मंदिर में जाने से रोके जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्राधिकारियों से पूछा कि क्या अब यह प्रधानमंत्री मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा? हम कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते, ▶▶|शेष पेज 4 पर

रघुपति राघव राजा राम गूंजा

महिला कांग्रेस के नेताओं ने अनुमति न दिए जाने पर अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए धरना पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी के साथ बैठे लोग जय श्री राम के नारे लगाने लगे। धरना स्थल पर राम भजन हुए और कांग्रेसियों ने रघुपति राघव राजा राम भी गाया।

राहुल गांधी ने उठाए सवाल

असम के नगांव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को इस बात पर सवाल उठाया कि कानून-व्यवस्था संकट के दौरान सभी लोग वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जा सकते हैं, लेकिन केवल 'वह नहीं जा सकते। गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि वह शंकरदेव के दर्शन में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा हम लोग, लोगों को एक साथ लाने विश्वास करते हैं, नफरत फैलाने में नहीं। उन्होंने कहा, वह (शंकरदेव) हमारे लिए एक गुरु की तरह हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

चिंतन

भारतीय सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल

आज 22 जनवरी सोमवार को भारत का करीब 500 वर्ष का सपना पूरा हुआ। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। अब रामलला एक दिव्य मंदिर में विराजेंगे। वास्तुकला की पारंपरिक नागर शैली में निर्मित मंदिर, लंबाई में 380 फुट (पूर्व-पश्चिम), चौड़ाई में 250 फुट और ऊंचाई में 161 फुट आकार का है। यह 392 स्तंभों पर टिका है और इसमें 44 दरवाजे हैं। 22 जनवरी की तारीख एक नए कालचक्र का उद्गम है। यह क्षण पवित्रतम है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का राजनीतिक लाभ लेने की जो भी कोशिश हो, लेकिन सबसे अधिक इसका सांस्कृतिक महत्व ही है। भारतीय समावेशी संस्कृति के प्रतीक पुरुष श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर में विराजना सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का आरंभकाल है। आज समूचा देश राममय है। अमेरिका, कनाडा, रूस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, ब्रिटेन, यूएई आदि समेत विश्वभर में बसे हिंदुओं में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुशी है। पाकिस्तान और कतर जैसे देशों के मीडिया में जरूर भारत को लेकर नकारात्मक रुख हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि भारत के संविधान में ही शिव, राम, कृष्ण, बुद्ध अंकित हैं। पाक ने तो खुद को इस्लामिक राष्ट्र ही बना लिया है, तो वह किस मुंह से भारत को धर्मनिरपेक्षता की नसीहत दे रहा है? खैर, आज राम के सबको साथ लेकर चलने के संदेश को आत्मसात करने का दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को एक नए युग के आगमन का प्रतीक करार दिया और लोगों से अगले 1,000 वर्षों के मजबूत भारत की नींव बनाने का आह्वान किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'जय श्री राम' के उद्घोष से समूची अयोध्या गुंजायमान हो उठी। अयोध्या में रामलला की स्थापना जीत का नहीं, राम की विनम्रता व विनयशीलता की प्रतिस्थापना है। यह राम मंदिर समृद्ध और विकसित भारत के उदय का गवाह बनेगा। यह केवल एक मंदिर भर नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आध्यात्मिक चेतना के उत्थान का प्रतीक स्थल है। आज जिस तरह समूचे देश में राम के प्रति आस्था का सैलाब उमड़ा, यह प्रमाण है कि भारत के जनमानस में प्राण प्रण से राम स्थापित हैं। भारत की सांस्कृतिक पहचान राम हैं, जो समूचे राष्ट्र को जोड़कर रखते हैं। भगवान राम देश के संविधान की पहली प्रति में निवास करते थे। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। भारत की न्यायपालिका ने न्याय की लाज रखी। राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। आज देश को सदियों के राम मंदिर को लेकर धैर्य की धरोहर मिली है। राम मंदिर भारत की दृष्टि का, दर्शन का, दिग्दर्शन का मंदिर है। यह राष्ट्र चेतना का मंदिर है। अयोध्या में केवल श्रीराम के विग्रह रूप की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है, बल्कि यह राम के रूप में भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट विश्वास की भी प्राण प्रतिष्ठा है व यह मानवीय मूल्यों और सर्वोच्च आदर्शों की भी प्राण प्रतिष्ठा है। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। जो लोग आमंत्रण ठुकराकर अपनी राजनीति के चलते अयोध्या नहीं गए, उन्हें राम की विनयशीलता से सीखना चाहिए, उन्हें समझना चाहिए कि राम विवाद नहीं समाधान हैं। राम आग नहीं ऊर्जा हैं, आज समूचा राष्ट्र राम की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक ऊर्जा से ऊर्जामय है। हम अतीत की कड़वाहट से बाहर निकलें और एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए आगे बढ़ें।

प्राण प्रतिष्ठा
अवधेश कुमार

बदले भारत का प्रतीक बनी अयोध्या

> प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों-समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह की जागृति सुखद व अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

मैं पिछले कई दिनों से अयोध्या में हूं। हमारे देश के उन बुद्धिजीवियों और नेताओं को, जो समय की धारा को नहीं पहचानते, अयोध्या के वातावरण का अनुमान भी नहीं होगा। आप कल्पना करिए कि कैसा माहौल है? पूरे अयोध्या जिला को पुलिस ने सील कर दिया। जिन्हें निमंत्रण है, जिनको पास मिला है, वही गाड़ियां 21- 22 - 23 जनवरी को अयोध्या आ सकी है । बावजूद हजारों की संख्या में सभी उम्र के लोग अयोध्या पहुंचे हुए हैं। मुख्य सड़कें लोगों से भरी हुई रही। लोग पैदल चल कर भी अयोध्या पहुंचे हैं। यहां भारी सुरक्षा सख्ती है। लोगों को असुविधाएं हैं। बावजूद मैंने जितने भी सामान्य लोगों से बात की किसी ने भी इस पर प्रश्न नहीं उठाया। पुलिस ने लोगों को रोका हुआ है, लोग सड़कों पर खड़े हैं लेकिन ज्यादातर के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव है। ऐसा वातावरण इसके पहले शायद ही किसी ने देखा होगा। आम तौर पर जब सुरक्षा सख्त होती है तो लोगों की आवाज उसके विरुद्ध निकलती है लेकिन अब किसी से पूछिए तो कहेंगे कि हमें कोई परेशानी नहीं है। दर्शन आज नहीं तो कल हो जाएगा। इसका अर्थ क्या है?

भारत के सामूहिक मानस का यही बदलाव आज समझने की आवश्यकता है। अगर आप थोड़ी सूक्ष्मता से विचार करेंगे तो ऐसा लगेगा कि संपूर्ण अयोध्या भारतमय है राममय है और संपूर्ण भारत इस समय अयोध्यामय और राममय हो गया है। अयोध्या के भारतमय, राममय और भारत के राममय में होने के गहरे निहितार्थों को भी समझना आवश्यक है। किसी भी देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की धाराएं इसी तरह प्रभावी होती हैं। राम मंदिर का आंदोलन किसी सामान्य मंदिर निर्माण का आंदोलन नहीं था। यह यह ध्वस्त की गई मंदिर के पुनर्निर्माण के द्वारा भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन था। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ दिखाई पड़ रहा है कि स्वतः स्फूर्त भाव से उत्साह और उमंग लिए हुए लोगों का अयोध्या आगमन सांस्कृतिक पुनर्जागरण के धीरे-धीरे सशक्त होने का प्रमाण है। या इस बात को प्रमाणित करता है कि जिन लोगों ने अयोध्या में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के विरुद्ध तथा राम मंदिर के पुनर्निर्माण के आंदोलन की कल्पना की वे वाकई दूरदर्शी थे। अयोध्या का चित्र बता रहा है कि भारत के आम लोगों ने अपनी भावनाओं और व्यवहार से उन सबको सच्ची श्रद्धांजलि देने की शुरुआत कर दी है।

प्राण प्रतिष्ठा के विरुद्ध बयानों से विवाद करने वालों के बारे में अगर पूछिए तो लोगों की प्रतिक्रिया या तो गुस्से में है या बहुत सारे लोगों के लिए मायने ही नहीं रखता। वास्तव में यह भारत में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्रांति की लहर जैसी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व दक्षिण भारत में तमिलनाडु के उन मंदिरों-धर्म स्थानों का दौरा किया जहां वन यात्रा में रामचंद्र जी गए थे या उनसे जुड़े या उनकी भक्ति से जुड़े हुए हैं। तमिलनाडु से सनातन और हिंदुत्व के विरुद्ध तथा उत्तर दक्षिण को बांटने के स्वर के मध्य तथा प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व इस यात्रा के प्रभावों का आकलन करने में थोड़ा समय लगेगा। प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा से उत्तर

और दक्षिण का भेद खड़ा करने की चेष्टा का सकारात्मक सांस्कृतिक आध्यात्मिक प्रत्युत्तर मिला है। आम लोगों के लिए इसके कोई मायने नहीं है कि किसे निमंत्रण मिला, किसे नहीं मिला, कौन आए कौन नहीं आए। अयोध्या पहुंचकर लगेगा ही नहीं कि जिन लोगों ने प्रश्न उठाए या विरोध किया उनका कोई संज्ञान भी लेने को तैयार है।

अयोध्या लंबे समय से आने वाले लोग बता रहे हैं कि हमने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि इस तरह का बदला हुआ चित्र हमें दिखाई देगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने वाले बता रहे हैं कि अगर उस समय सड़कें ऐसी होतीं, खुला वातावरण होता तो 30 अक्टूबर, 1989 और 2 नवंबर, 1989 के गोली चालन में उतनी संख्या में कारसेवक नहीं मारे जाते, लेकिन न भागने का स्थान और न बचने का। अयोध्या आंदोलन के प्रभावी होने और भारी संख्या में लोगों के लगातार पहुंचते रहने के बावजूद केंद्र और राज्य की सरकारों ने कभी भी यहां सड़कों और आम जनता की सुविधाओं के निर्माण की दृष्टि से काम किया ही नहीं। इस नाते भी यह बदली हुआ अयोध्या है। आज यह इतनी अंतर्शक्ति पा गया है कि संपूर्ण भारत की मानसिक चेतना को बदलने का आधार साबित हो सकता है।

जब आपके लक्ष्य छोटे हो तो फिर छोटे स्तर से विचार करते हैं किंतु लक्ष्य बड़े हों तो आपके विचार की परिधि भी व्यापक हो जाती है। अगर भारत के लंबे भविष्य की दृष्टि से काम करना हो तो ऐसे अवसरों पर कोई विरोधी और दुश्मन नहीं हो सकता। इसीलिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विरोधियों को भी आमंत्रित किया गया। यहां तक कि मुकदमे के विरोधी पक्षकारों को भी आमंत्रित किया गया। जैसा पूरे देश को पता है विपक्षी दलों को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन समस्या यह थी कि संपूर्ण अयोध्या आंदोलन के दौरान जिन दलों और नेताओं ने इसका विरोध किया, उनको प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने के लिए कोई न कोई तार्किक आधार चाहिए था। वह मिलना संभव नहीं था। अयोध्या में आम आदमी की भाषा यही है कि विरोधी किस मुंह से प्राण प्रतिष्ठा में आते। अपने दुर्भाग्य से भाजपा और मोदी विरोधी राजनीतिक पार्टियां, बुद्धिजीवी और मीडिया के भी कुछ पुरोधा श्रीराम मंदिर से पैदा हुए भारत के सकारात्मक बदलावों को अभी भी समझने की कोशिश नहीं कर रहे। भारत का मूल धर्म व अध्यात्म रहा है। हमारे प्राचीन मनीषियों ने इसे पहचाना था। गांधी जी ने कहा है कि धर्म ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत दुनिया में बड़ा हो सकता है। वास्तव में धर्म भारत के डीएनए में है । जो आपका मूल संस्कार होता है, उसे जागृत कर दिया जाए तो फिर वह उच्चता को प्राप्त करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार तथा दूसरे धार्मिक सांस्कृतिक आध्यात्मिक संगठनों - समूहों ने लंबे समय तक काम करके भारत की सोई हुई धार्मिक आध्यात्मिक चेतना की जागृति में भूमिका निभाई है। चाहे वह सोमनाथ का पुनर्निर्माण हो, अयोध्या आंदोलन या लंबे समय से चल रहे दूसरे मंदिरों के पुनरुद्धार का आंदोलन या फिर हिंदुत्व और हिंदू धर्म की नए सिरे से प्राचीन विरासत के आधार पर व्याख्या करने, इतिहास का पुनर्लेखन, राष्ट्र की परिभाषा अपनी सही सोच से निर्धारित करने, सब इसी दिशा के कदम हैं। स्वाभाविक ही इन सबका प्रभाव हुआ है और यह इस समय समग्र रूप में अयोध्या में दिख रहा है। यहां सामान्य लोग कहते हुए मिल जाएंगे कि हमको तो इतिहास गलत बताया गया। कल्पना करिए जिस व्यक्ति ने दसवीं तक की भी शिक्षा प्राप्त नहीं की वह इतिहास और संस्कृति की बात कर रहा है। किसी भी राष्ट्र के जीवन में इस तरह उसकी संस्कारगत चेतना और जागृति सुखद और अच्छे भविष्य का ही द्योतक हो सकता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जयंती विशेष
डॉ. विनोद यादव

महानायक सुभाष चंद्र बोस के राष्ट्रबोध मूल्यों से सीखें युवा

आज पराक्रम दिवस है, यानी स्वाधीनता आंदोलन के एक ऐसे महानायक का जन्मदिवस जो शौर्य, साहस और पुरुषार्थ के प्रणेता थे। आज पूरा देश महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जयंती मना रहा है। नेताजी की जयंती के मौके पर 5 वर्षों के अंतराल के बाद राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले में 'जयहिंद- लाइट एंड साउंड शो' शुरू हो रहा है। 1 घंटे के इस शो के अंतर्गत खासतौर पर नेताजी सुभाष चंद्र के अदम्य साहस की शौर्य गाथा और आजाद हिंद फौज के क्रांतिवीरों पर चले मुकदमों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

आजादी के आंदोलन के संदर्भ में लालकिला ऐसा ऐतिहासिक स्मारक है, जो सन सत्तावन के क्रांतिकारियों से लेकर आजाद हिंद फौज के सैनिक कमांडरों के अदम्य साहस और अपूर्व शौर्य की गवाही देता है। फर्क सिर्फ इतना है कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिवीरों ने अंग्रेजी शासन को उखाड़ फेंकने के लिए जब मेरठ छावनी से 'दिल्ली चलो' के उद्घोष के साथ शंखनाद किया तो लालकिले पहुंचकर भारत का झंडा फहराया। किंतु नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने आजाद हिंद फौज के सुप्रीम कमांडर की हैसियत से फौज के सैनिकों से 'दिल्ली चलो' का आवाह्न करते हुए उद्घोष किया-'चलो दिल्ली, जहां मीनार कुत्बी है... निशान-ए-हिंद (भारत के राष्ट्रीय ध्वज) को हम उस पर लहराएं/ चलो दिल्ली जवानों, हिंद को आजाद करवाएं/ यानी आजाद हिंद फौज के सैनिक दिल्ली को फतह करके कुतुब मीनार पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहते थे। इतिहास गवाह है कि नेताजी का स्वाभिमान दुनिया में सबसे ऊंचा था, इसलिए वो भारत का झंडा सबसे ऊंचे स्मारक पर फहराना चाहते थे। उन दिनों राजधानी दिल्ली में सबसे ऊंची ऐतिहासिक इमारत कुतुब मीनार ही थी,

लेकिन आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों का वह सपना पूरा न हो सका। दरअसल, दूसरे विश्व युद्ध में जापान की हार ने आजाद हिंद फौज के सैनिकों के इस सुनहरी सपने का पटाक्षेप कर दिया। बहरहाल, कुतब मीनार के साथ-साथ लाल किले का संबंध भी आजाद हिंद फौज से जुड़ गया, जब फौज के मेजर जनरल शाहनवाज खान, कर्नल प्रेम सहगल और कर्नल गुरुबख्श सिंह ढिल्लो पर अंग्रेजों ने देशद्रोह का अभियोग लगाकर लालकिले को सैनिक अदालत के तौर पर चिह्नित किया। नेताजी सुभाष चंद्र के इन तीन फौजी अफसरों से संबंधित यह ऐतिहासिक मुकदमा हिंदुस्तान के इतिहास में 'लालकिला ट्रायल' के नाम से दर्ज है। आईएनए के इन अफसरों समेत तमाम सैनिकों के समर्थन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नामी-गिरामी नेता और जाने-माने वकील तेज बहादुर सप्रू, भूलाभाई देसाई, पं. जवाहरलाल नेहरू और कैलाश नाथ काटजू मुकादमा लड़ने के लिए आगे आए। इस दौरान पूरे मुल्क में देशभक्ति का बेमिसाल माहौल निर्मित हो गया, जवाहरलाल नेहरू पहली बार एडवोकेट की यूनिफॉर्म पहनकर अदालत में उपस्थित हुए। भूलाभाई देसाई व जवाहरलाल की सशक्त शानदार दलीलों ने मुकदमे को आजाद हिंद फौज के जांबाज सिपाहियों के हक में कर दिया। आजाद हिंद फौज के समर्थन में पूरा देश एकजुट हो गया, देश के कोने-कोने में अंग्रेजी शासन के खिलाफ धरने-प्रदर्शन होने लगे। आखिरकार तीनों भारतीय वकीलों की जोरदार दलीलों और आईएनए के सपोर्ट में उमड़े तमाम भारतवासियों की एकजुटता की वजह से अंग्रेजों को तीनों अफसरों को रिहा करना पड़ा। वस्तुतः नेताजी सुभाष और उनकी आजाद हिंद फौज की गाथा, औपनिवेशिक शासन और साम्राज्यवाद के शोषण से त्रस्त भारतवासियों के नायक के जीवन-पर्यंत संघर्ष व जीवटता की ऐसी अमर कहानी है, जो हरेक भारतवासी की रगों में राष्ट्रवाद का संचार करती है। तमाम विधाओं में प्रवीणता व कुशल नेतृत्व क्षमता ही उन्हें आर्यावर्त भरतखण्ड से निकालकर जापान, जर्मनी, रूस और इटली जैसे देशों में भी लोकप्रिय बनाती है। उन्होंने अपनी सोच में, अपने चिंतन में बस एक विचार को दृढ़ बनाए रखा कि मनुष्य के समग्र विकास के लिए बौद्धिक कौशल और नैतिक चेतना दोनों जरूरी हैं। नेताजी का व्यक्तित्व व कृतित्व हरेक आयुवर्ग के भारतीयों के लिए आदर्श की राह है। नेताजी ने कहा था- 'हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी भारतभूमि की स्वतंत्रता का मूल्य अपने रक्त से चुकाएं।'

(लेखक शिक्षाविद एवम इतिहासकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संकर सहज स्वरूप सम्हारा

संकलित
दर्शन

श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। *-मोरारी बापू*

कोयल-अपनी वाणी को मधुर बना लेना

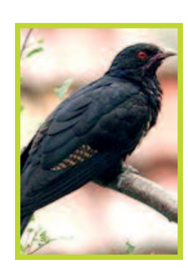

संकलित
प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर अपराध रोकने के लिए उठाएं सख्त कदम

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने सभी छोटे-बड़े प्राइवेट बैंकों को यह सुझाव दिया है कि सभी साइबर सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाएं। इसके लिए सभी बैंकों को 24 गुणा 7 हेल्पलाइन अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवानी चाहिए और सभी फोन नंबर जो हेल्पलाइन के लिए उपलब्ध करवाए जाएं, वो भी हर वक्त दुरुस्त रहें और फ्री रहें। एसबीआई क्रेडिट कार्ड ने अपना हेल्पलाइन नंबर मुफ्त सुविधा से वंचित रखा है। यहां कॉल करने के लिए एक मिनट के लिए लगभग 2 रुपए पड़ते हैं। हमारा देश डिजिटल लेन-देन की ओर कदम तो बढ़ा चुका है, लेकिन कुछ साइबर चोर इसकी राह में ठगी करके बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। देश में दिन-प्रतिदिन साइबर ठगी की खबरें पढ़ने और सुनने को मिल रही हैं। *-पीयूष गोयल, धमतरी*

ट्रेंड

अपना सोलर सिस्टम

सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुझे रोका गया

भारत की सांस्कृतिक विविधता को शंकर देव जी ने भक्ति के माध्यम से एकता के सूत्र में पिरोया, लेकिन आज मुझे उन्हीं के स्थान पर माथा टेकने से रोका गया। मैंने मंदिर के बाहर से ही भगवान को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लिया।
-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

जीने के लिए समर्पित

आज भी मंडे मोटिवेशन भगवान राम हैं। वह एक ऐसी शख्सियत हैं जो धर्म से परे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी की आस्था क्या है, हम सभी ऐसी अवधारणा के प्रति आकर्षित हैं जो सम्मान और मजबूत मूल्यों के साथ जीने के लिए समर्पित है। **-आनंद महेंद्रा, उद्योगपति**

अपने अपने राम

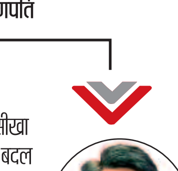

बस क्या कहूं। जो भी बोलना-कहना सीखा था वो सब आज मौन और आंसुओं में बदल गया। राघवेंद्र सरकार राम के दर्शन करके जब अयोध्या के राम-मार्ग पर निकला तो कुमार भैया और अपने अपने राम का जयघोष कर-करके अभिवादन किया।
-कुमार विश्वास, हिन्दी कवि

करंट अफेयर

दुनियाभर में मना रामलला का प्राण प्रतिष्ठा उत्सव...

अयोध्या में सोमवार को हुई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए राम भक्तों और भारतीय समुदाय के सदस्य न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्कवायर सहित दुनियाभर में विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए, प्रार्थना सभाएं कीं, कार रैली निकाली और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये।

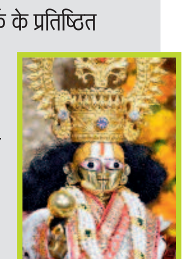

अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कवायर पर बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के सदस्य एकत्र हुए। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण देखा। लोगों को पारंपरिक पोशाक पहने, नृत्य करते, भजन और अन्य गीत गाते देखा गया। वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेम्पल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी-अमेरिकी समुदाय के सदस्य भी इस समारोह में शामिल हुए। रविवार को हुए कार्यक्रम में 2,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए। अमेरिकी शेयर बाजार 'नैस्डैक' की स्क्रीन पर भी राम मंदिर की तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के तुरंत बाद वर्ल्ड हिंदू काउंसिल ऑफ अमेरिका और विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने दोनों देशों में एक हजार से अधिक मंदिरों के दर्शन के लिए 'राम मंदिर यात्रा' की घोषणा की।

ऑफ बीट

मृत्युलेखों में पालतू जानवरों का उल्लेख अधिक हो रहा

जानवर हमारे जीवन में कई अलग-अलग भूमिका निभाते हैं। कुछ लोग उन्हें परिवार का सदस्य मानते हैं, जबकि अन्य दैनिक सैर की याद दिलाने के रूप में उनकी सराहना करते हैं। सेना में काम करने वाले कुत्तों और भावनात्मक सहयोग देने वाले जानवरों से लेकर दरवाजे पर हमारा स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे पालतू जानवरों तक, ये जानवर हमारे जीवन में खुशी, आराम और साथ ला सकते हैं। तो स्वाभाविक रूप से, ये रिश्ते जीवन भर जारी रहेंगे - या कम से कम मृत्यु के बाद भी स्मरण किए जाएंगे। टोरंटो स्टार ने हाल ही में ओकविले, ओंटारियो के पालतू जानवरों के कब्रिस्तान से 600 से अधिक जानवरों को निकालने और दूसरी जगह ले जाने के प्रयासों पर रिपोर्ट दी।

जैसे यह कहानी सामने आई और जैसा कि कई अन्य लोग ध्यान देंगे, जानवरों को दफनाना, उनपर लेप लगाना या अंतिम संस्कार करना शायद ही कोई नई प्रथा है। ये अंत्येष्टि प्रथाएं एक पालतू जानवर और उन सभी चीजों का सम्मान करने के तरीके प्रदान करती हैं जो हमारे लिए मायने रखती हैं। लेकिन तब क्या जब मालिक पहले मर जाए? जैसा कि पता चला है, अब पालतू जानवरों को रखने वाले ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जिनके मरने के बाद उनके मृत्युलेखों में उनके जानवरों का उल्लेख भी किया जाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

पराक्रम दिवस 23 जनवरी

भारतीय इतिहास के महान स्वतंत्रता सेनानी
नेताजी सुभाष चंद्र बोस के शौर्य और साहस को समर्पित

पराक्रम दिवस

23 जनवरी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 127वीं जन्म जयंती के अवसर पर

9 दिवसीय पराक्रम उत्सव का उद्घाटन

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

द्वारा

23 जनवरी 2024, शाम 4 बजे | लाल किला, दिल्ली

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन पर किया जाएगा

"सुभाष चंद्र बोस ऐसे महान व्यक्ति थे, जो पद और संसाधनों की चुनौती से परे थे।
उनकी स्वीकार्यता ऐसी थी कि पूरी दुनिया उन्हें नेता मानती थी।
हमारा यह प्रयास है कि नेताजी की ऊर्जा आज देश का पथ-प्रदर्शन करे।"

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

23 जनवरी से 31 जनवरी तक पराक्रम उत्सव के मुख्य आकर्षण

सुबह 10- शाम 6 बजे तक

- **पुस्तक, चित्र एवं पुरालेख प्रदर्शनी**
  नेताजी पर लिखी गई पुस्तकों, दुर्लभ तस्वीरों एवं दस्तावेजों की प्रदर्शनी
- **चित्रकला एवं मूर्तिकला वर्कशॉप**
  लाइव पेंटिंग, मिट्टी, लकड़ी और पत्थर के मूर्तिकारों द्वारा लाइव मूर्तिकला वर्कशॉप
- **एआर, वीआर प्रदर्शनी**
  टेक्नोलॉजी के माध्यम से नेताजी के संपूर्ण जीवन यात्रा का रोमांचक अनुभव

- **प्रोजेक्शन मैपिंग शो के साथ लाइव परफॉर्मेंस**
  (शाम 6- 6:30 बजे)
  अत्याधुनिक लाइट एंड साउंड शो के साथ एनएसडी के कलाकारों द्वारा नेताजी के जीवन से जुड़ी कहानियों पर लाइव परफॉर्मेंस
- **आईएनए के वरिष्ठ सेनानी का अभिनंदन**
- **भारत पर्व 2024 का डिजिटल लॉन्च**

आप सभी आमंत्रित हैं

नि:शुल्क प्रवेश

CBC 09102/13/0004/2324

जैकेट के शेष

84 सेकंड में...

ने नवनिर्मित रामजन्मभूमि मंदिर पर पुष्प वर्षा की। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की इस मंदिर नगरी में उत्सव शुरू हो गए और लोगों ने नाच-गाकर अपनी खुशी जाहिर की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुनहरी रंग का कुर्ता, क्रीम रंग की धोती और उत्तरीय पहने प्रधानमंत्री मोदी नवनिर्मित राम मंदिर के मुख्य द्वार से अंदर तक पैदल चलकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और गर्भगृह में प्रवेश किया। प्रधानमंत्री इस दौरान अपने हाथ में लाल रंग के कपड़े में लिपटा हुआ चांदी का एक छत्र भी लेकर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में 'प्राण प्रतिष्ठा' से संबंधित अनुष्ठान किए। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि मध्याह्न में साढ़े बारह बजे (12-29) बजे रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। गर्भगृह से मोदी करीब 8,000 लोगों को संबोधित करने के लिए एक अन्य स्थान की ओर गए। इन लोगों में संत, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े लोग और मनोरंजन, खेल तथा उद्योग जगत की हस्तियां शामिल रहीं। वह कुबेर टीला भी गए और राम मंदिर के निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों से भी बातचीत की। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजायी गयी मधुर 'मंगल ध्वनि' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल किया गया।

अमिताभ, खेर, अंबानी समेत दिग्गज मौजूद रहे : अयोध्या में सोमवार सुबह पहुंचे आमंत्रित अतिथियों में अनुपम खेर, कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, प्रसून जोशी, सचिन तेंदुलकर, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रविशंकर प्रसाद और मुकेश अंबानी शामिल रहे। हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, मधुर भंडारकर, सुभाष घई और सोनू निगम रविवार को ही अयोध्या पहुंचे गए थे।

'राम पटका' दिया और लगाया 'तिलक' लगा : समारोह में आमंत्रित अतिथियों को 'राम पटका' दिया गया और 'तिलक' लगाकर उनका स्वागत किया गया। सभी अतिथियों को एक घंटी दी गयी जो उन्होंने 'आरती' के दौरान बजाई। पारंपरिक नागर शैली में बना मंदिर परिसर 380 फुट लंबा (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फुट चौड़ा और 161 फुट ऊंचा है। मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फुट ऊंची और उसमें कुल 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। मंदिर के स्तंभ और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां बनायी गयी हैं।

काशी में झांकी, जम्मू में फहराया रामध्वज : उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ धाम में राम दरबार की भव्य झांकी लगाई गई। जम्मू में रघुनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इकठ्ठा होकर कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट देखा। जम्मू के ही उधमपुर में युवाओं ने सबसे ऊंचे मंदिर पर चढ़कर राम ध्वज फहराया। झारखंड की राजधानी रांची में लोगों ने प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम की खुशी में रैली निकाली। मध्यप्रदेश में महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान फुलझड़ी जलाकर दिवाली जैसी पूजा की गई। राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान बॉर्डर के पास भी जय श्रीराम के स्वर गूंजते रहे।

त्याग, तपस्या के बाद...

इस पवित्र समय से अगले 1,000 साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर हम सभी देशवासी इस पल से समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी 2024 का यह सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है और यह कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं बल्कि एक नए कालचक्र का उद्गम है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी।

एकजुट रहें, क्योंकि राम...

प्रतिष्ठा के साथ साथ भारत का आत्म गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा आज का कार्यक्रम नए भारत का प्रतीक है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया की मदद करेगा। भागवत ने कहा कि रामलला 500 साल बाद कई लोगों की तपस्या की वजह से वापस लौटे हैं। मैं उन लोगों के कठोर परिश्रम और त्याग को शत शत नमन करता हूं।'' उन्होंने कहा ''लेकिन राम क्यों गए ? वह इसलिए गए क्योंकि अयोध्या में कलह थी। राम राज्य आ रहा है और हमें सभी मतभेद त्याग कर, कलह खत्म कर छोटे छोटे मुद्दों पर लड़ना झगड़ना बंद करना होगा। हमें अपना अहंकार त्यागना होगा और एकजुट रहना होगा।

राम का ननिहाल हुआ...

पहले उन्होंने रायपुर में दूधाधारी मठ में भी पूजा-अर्चना की। उनके साथ दूधाधारी मठ के महंत राम सुंदर दास और भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर भी शिवरीनारायण के कार्यक्रम में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री अरुण साव अपने विधानसभा क्षेत्र लोरमी और विजय शर्मा कवर्धा के कार्यक्रमों में शामिल हुए और यहीं पर अयोध्या का सीधा प्रसारण भी देखा। सभी मंत्री, सांसद, विधायक अपने-अपने क्षेत्र के धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने शिवरीनारायण में कार्यक्रम के बाद कहा, यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है कि हम अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ऐतिहासिक क्षण के गवाह बने हैं। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह सौभाग्य इसलिए भी बहुत बड़ा है कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है। माता कौशल्या की जन्मभूमि है। आज केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया राममय हो गई है। दुनियाभर में सब अलग-अलग तरह से खुशियों की अभिव्यक्ति कर रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि हमने अपने धान के कटोरे से भगवान के भोग के लिए सुगंधित चावल भेजा है। रामनाम को अपने अंग-अंग में हृदय में तथा चेतना में बसाने वाले रामनामी समुदाय के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को अपना परंपरागत मोर मुकुट पहनाकर अभिनंदन किया।

साव- शर्मा ने की...

इसके बाद वे अपने क्षेत्र लोरमी पहुंचे और वहां पर भी पूजा-अर्चना के बाद प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा में पूजा-अर्चना करने के साथ प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा। वे वहां पर कई धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

बृजमोहन रायपुर के...

उन्होंने श्रद्धालुओं को रामोत्सव की बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। साथ ही उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि सभी अपने घरों में दिया जलाएं और दीपावली जैसा उत्सव मनाएं। उन्होंने दूधाधारी मठ में सांसद सुनील सोनी और भाजपा के कई नेताओं के साथ अयोध्या से प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देखा।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे मुख्य इमाम इलियासी

'मैं यहां पैगामे मोहब्बत लेकर आया हूं, जहां तक पहुंचे'

दिल छू लेने वाली बात कही- मेरे साथ स्वामी जी खड़े हैं इसी का नाम भारत है

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर "प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समापन सकुशल संपन्न हो गया है। भारत के लोग उत्साह मना रहे हैं। अयोध्या में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द की तस्वीरें भी सामने आई हैं। इसी बीच 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम डॉ. उमेर अहमद इलियासी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने दिल छू लेने वाली बातें कहीं। मुख्य इमाम इलियासी ने कहा "ये बदलते भारत की तस्वीर है। आज का भारत नवीनतम भारत। आज का भारत उत्तम भारत। मैं यहां पैगामे मोहब्बत लेकर आया हूं, जहां तक पहुंचे। मेरे साथ स्वामी जी खड़े हैं इसी का नाम भारत है। हमारे इबादत करने के तरीके भले अलग हो सकते हैं, पूजा पद्धित जरूर अलग हो सकती है। हमारी आस्थाएं जरूर अलग हो सकती हैं लेकिन हमारा जो सबसे बड़ा धर्म है वह इंसान और इंसानियत का है। अब हम सब मिलकर इंसानियत को बरकरार रखें।"

राष्ट्र सर्वोपरि है

उन्होंने आगे कहा, "दूसरा हम सब भारतीय हैं। भारत में रहते हैं तो हम सब को चाहिए कि हम भारत को मजबूत रखें। हम सब भारतीय हैं। आज का जो हमारा पैगाम है वह नफरतों को खत्म करने के लिए है। बहुत साजिशें हुई, बहुत दुश्मनी हुई, बहुत राजनीति हुई, बहुत लोग मारे गए। अब हम सबको मिलकर एक होकर भारत को मजबूत करना है। भारतीयता को मजबूत करना है। राष्ट्र सर्वोपरि है इसी बात को आगे लेकर जाना है। अंखड भारत बने, उस दिशा में हम सब मिलकर काम करें। यह हरामा पैगाम है। जिस तरह पीएम मोदी पूरी दुनिया में भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। तो हम भी आज मिलकर भारत को मजबूर करें, यही हमारा पैगाम है।

पीएम मोदी की हो रही तारीफ

अयोध्या में प्रभु श्री राम का नाम गूंज रहा है। देश के कोने-कोने में यह उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। लोग जय श्री राम के नारे लगा रहे हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का समापन हो चुका है। पीएम नरेंद्र मोदी अभी अयोध्या राम मंदिर में ही मौजूद है। उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ भगवान राम लला का दर्शन पूजन किया। इस दौरान सबका ध्यान पीएम मोदी के पहनावे पर गया। पीएम मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन के लिए हल्के पिस्ता रंगा का सुनहरा कुर्ता पहना। उन्होंने क्रीम कलर की धोती पहनी थी। इसके साथ उन्होंने पेस्टल शेड की गोल्डन कोटी पहनी थी। उन्होंने लाइट कलर का हल्का सफेद रंग का दुपट्टा डाला था। इसके अलावा उन्होंने माथे पर टीका लगाया हुआ था। उनके हाथ में कलावा और काला धागा बांधा हुआ था। उन्होंने अपनी जेब में चमकता हुआ पेन भी रखा था। लोग पीएम मोदी के पहनावे की तारीफ कर रहे हैं।

जुलूस में हनुमानजी...

पंजाब के अमृतसर में सोमवार को अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठान के अवसर पर जुलूस में भाग लेते भक्त। बड़ी संख्या में भक्तों ने हनुमानजी का गेटअप अपनाया था।

बीएसएफ ने 2.18 करोड़ का सोना पकड़ा

कोलकाता। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ, पुलिस और डीआरआई ने सोने की एक बड़ी तस्करी को विफल कर दिया है। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में गुरुवार और शुक्रवार को एक संयुक्त अभियान चलाकर 3.25 किलो सोने के साथ, गांजा और हथियार के साथ पांच महिलाओं सहित आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सोने की अनुमानित कीमत 2,18,55,000 बताया गया है। सीमा चौकी विजयपुर 32वीं वाहिनी के जवानों ने बीएसएफ के खुफ़िआ विभाग से मिली सुचना पर कार्रवाई करते हुए, नदिया जिले के सीमावर्ती इलाके में बीएसएफ, कृष्णागंज पुलिस और राजस्व खुफिया निदेशालय की टीमों गुरुवार और शुक्रवार दिन तक साझा अभियान चलाया।

पेज एक के शेष

छत्तीसगढ़ को भय...

राम जी के साथ क्या अतीत में भी कोई नाता रहा है? : मेरे स्वर्गीय पिता जी का नाम रामप्रसाद है, बचपन में हम भगवान श्री राम की पूजा करते थे, तब हुनमान जी उनके पास में गदा लिए हुए रहते थे। बचपन से ही भगवान राम की पूजा करते रहा हूं। हमारा बचपन से ही भगवान श्री राम से नाता जुड़ गया था। हमारा पूरा परिवार भगवान राम का भक्त है। जब बड़े हुए और भाजपा से जुड़े तो इस पार्टी का भी भगवान श्री राम ने नाता है। एक समय में घर-घर में राम शिला का पूजन हुआ था, उस समय हम भी इसमें सहभागी बने थे।

0 राम जी का किस तरह का प्रभाव आप पर रहा है?

00 मैंने राम जी की पूजा अर्चना ही नहीं की है, उनके गुणों पर भी चलने का प्रयास किया है। भगवान श्री राम सबको साथ लेकर चलने वाले रहे हैं। उनका वनवासियों से ज्यादा नाता रहा है। उन्होंने शबरी से जुठे बेर भी खाये, जब लंका पर आक्रमण किया तो उनके साथ वनवासी ही सेना के रूप में ज्यादा थे। उनके साथ वानर भी थे। वे सबको एक समान मानते थे। हम आज जिस पार्टी में हैं उस पार्टी के हमारे मुखिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा भी है सबका साथ, सबका विकास।

0 जब नारा लगाते थे, तब विरोधी एक लाइन जोड़ देते थे, पर तारीख नहीं बताएंगे, तब कैसा लगता था?

00 तब अच्छा नहीं लगता था। हम लोगों को विश्वास था कि एक दिन तो राम मंदिर बनकर रहेगा और उसमें योगदान सभी लोगों को रहेगा और आज वो दिन आ भी गया और वहां पर राम मंदिर बन भी गया है।

0 जिस तरह की लंबी लड़ाई चल रही थी, क्या भरोसा था कि आपके जीते जी मंदिर बन जाएगा?

00 500 सालों के संघर्ष के बाद जीत मिली है। 1992 में कार सेवा का आंदोलन चला। सरयू नदी का पानी भी राम भक्तों के खून से लाल हो गया था। सबकी शहादत काम आई और आज राम मंदिर बन गया है। यह हम लोगों का सौभाग्य है कि यह हमारे जीते जी बना है और हम सब इसके साक्षी बने हैं। लंबी कानूनी लड़ाई भी चली, न्यायधीशों को भी लगता था कि यह राम जन्म भूमि ही है, पर फैसला नहीं कर पाते थे, जब देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने जो हिंदूओं के भी पक्ष में बात करते हैं तो न्यायधीशों को भी लगा कि अब सही फैसला दिया जा सकता है और सही फैसला सुनाया। प्रधानमंत्री को भी साधुवाद है कि उनके कार्यकाल में न सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया बल्कि उनके कार्यकाल में मंदिर भी बना और प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई।

0 प्राण प्रतिष्ठा की तारीख को लेकर भी सवाल उठे हैं, आप क्या सोचते हैं?

00 हर किसी का अपना-अपना मत होता है। कुछ लोगों को विरोध करने की भी आदत होती है। कुछ लोगों की राजनीति मजबूरी होती है। भगवान श्री राम को वो भी मानते हैं और स्वीकार भी करते हैं। अंतर मन से वहां जाना भी चाहते हैं, लेकिन नहीं जाते हैं। निमंत्रण को ठुकराना ठीक बात नहीं है। भगवान राम किसी पार्टी विशेष के नहीं हैं।

0 कभी मौका मिला है अयोध्या जाने का, वहां देखकर क्या अनुभूति की?

00 सांसद रहते 2014 के पहले जाने का मौका मिला था, तब बड़ा दुख हुआ था कि भगवान श्री राम अपने जन्म स्थान में टेंट में हैं। बहुत दूर से हमको प्रणाम करने का अवसर मिला था।

0 राम वन पथ गमन को लेकर भी कोई परिकल्पना है क्या?

00 बिलकुल है, मोदी की गारंटी में भी ये बात है। छत्तीसगढ़ राम जी का ननिहाल है। वनवास के 14 साल में से करीब 10 साल यहां रहे हैं, वे यहां पर जहां-जहां भी गए हैं, उन स्थानों का विस्तार और विकास होगा।

0 इसकी गारंटी कब तक पूरी होगी?

00 फरवरी में बजट सत्र है। जब हम सरकार में आए हैं तो खजाना खाली मिला है। बजट सत्र में इसको लाया जाएगा और जल्द इस पर काम प्रारंभ करेंगे।

0 राम लला के दर्शन करवाने के पीछे का मकसद क्या है?

00 भाजपा की यहां पर 15 साल तक सरकार रही, उसमें तीर्थ यात्रा योजना थी। अब अयोध्या में भगवान रामलला विराजमान हो गए तो छत्तीसगढ़ के लोगों को रामलला के दर्शन कराने का अधिकार भी बनता है। वही हमारी करने की योजना है।

0 योजना लोकसभा तक रहेगी या आगे भी चलेगी?

00 जब तक हमारी सरकार रहेगी योजना चलती रहेगी और रामलला के दर्शन कराए जाएंगे। हमारी योजना कोई चुनावी योजना नहीं है।

0 क्या विपक्षी दलों के विधायकों को भी रामलला के दर्शन कराने की योजना है?

00 बिलकुल है, उनको भी जरूर हम दर्शन कराने के लिए ले जाएंगे। इसमें कोई पार्टी वाली बात नहीं है।

0 आप और मंत्री कब जाएंगे अयोध्या?

00 अब रामलला विराजमान हो गए हैं, जल्द ही फैसला करेंगे और पूरा मंत्रिमंडल रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएगा। विधायकों के साथ भी जाएंगे।

प्राण-प्रतिष्ठा के दिन...

बीच भी माताओं के मन में भगवान के प्रति गहरी आस्था थी और ज्यादातर ने इस पावन दिवस पर दुनिया में आए अपने बच्चों के लिए भगवान राम, सीता के साथ रामायण से जुड़े पात्रों के नाम भी सोच लिए थे।

अष्टविनायक में जन्मी...

किया। स्वस्थ बच्ची और स्वस्थ मां को देखकर उन्हें प्रसन्नता है। इससे ज्यादा प्रसन्नता इस बात से है कि बहुत ही शुभ दिन सिया इस दुनिया में आई है।

चाइनीज मांझे ने फिर...

मौसा जीकेबिन चरोदा निवासी वीरेन्द्र भुंडेकर के घर घूमने आया हुआ था। मौसा का बेटा विहांत 4 वर्ष को बाइक में बिठाकर स्कूल छोड़ने के लिए अजय निकला था। इस दौरान सोमवार की सुबह 10.30 बजे देवबलौदा जाने वाले मार्ग के पास कुछ युवक पतंग उड़ा रहे थे। अचानक पतंग का मांझा अजय के गले से फंस गया। मांझे से उसका का गला कट गया और बाइक अनियंत्रित होकर जमीन पर गिर पड़ा। बाइक के पीछे विहांत भी बैठा हुआ था। दोनों सड़क पर गिर पड़े। अजय के गले से काफी खून निकल रहा था। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना जीआरपी चरोदा को दिया। घायलों को तुरंत सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल लाया गया था। जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया। दुर्ग पहुंचते ही अजय ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं विहांत की हालत गंभीर बनी हुई है।

ऑनलाइन से अब घर-घर...

मांझे की चपेट में आने से एक दोपहिया चालक की मौत हो गई, दोपहिया में बैठा एक बच्चा घायल हो गया है। स्थानीय स्तर पर चाइनीज मांझे की नियमित मॉनिटरिंग नहीं होने की वजह से इस तरह की घटना घटित होने लगी है। गौरतलब है कि चाइनीज मांझे की खरीदी तथा बिक्री पर रोक लगाई गई है। शासन स्तर पर इसके लिए दुकानदारों को पतंग दुकानों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। राजधानी की पतंग दुकानों में चार माह पूर्व जिला प्रशासन की टीम जांच करने के लिए पहुंची थी, लेकिन उन्हें दुकानों से किसी तरह से चाइनीज मांझे नहीं मिले। इसके बाद से जिला तथा निगन प्रशासन के अफसर पतंग दुकानों में चाइनीज मांझे की जांच करने अब तक नहीं पहुंचे।

रायपुर में भी दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं : पांच वर्ष पूर्व पचपेड़ी नाका ओवरब्रिज के नीचे पतंग उड़ा रहे बच्चों के मांझे की चपेट में आकर एक बाइक सवार के घायल होने की घटना सामने आ चुकी है। बाइक की रफ्तार कम थी, इस वजह से बाइक चालक को कोई ज्यादा चोटें नहीं आई। बाइक की रफ्तार ज्यादा नहीं थी, इस वजह से गंभीर हादसा टल गया।

चाइनीज मांजा मंगाने का ऑनलाइन प्लेटफार्म : पतंगबाजी करने तथा सामने वाले की पतंग काटने की होड़ में लोग चाइनीज मांझा का उपयोग कते हैं। बाजार में चाइनीज मांजा की उपलब्धता नहीं होने की वजह से लोग चोरी छिपे ऑनलाइन चाइनीज मांजा मंगाकर उपयोग करते हैं। ऑनलाइन मांझा मंगाने पर प्रशासन इसकी निगरानी भी नहीं कर पाता।

रायपुर में 35 से 40 पतंग कारोबारी : राजधानी में पतंग का कारोबार करने वालों की संख्या 35 से 40 के करीब है। उनमें से चार से पांच थोक पतंग का कारोबार करने वाले कारोबारी हैं। शहर में ज्यादातर पतंग का कारोबार करने वाले कारोबारी बूढ़ापारा, सदर बाजार में हैं। इसके अलावा छिटपुट तरीके से शहर के अन्य क्षेत्रों में पतंग का कारोबार करने वाले हैं।

पतंग कारोबारियों ने...

अपनी दुकान में चाइनीज मांझा नहीं रखते। बावजूद इसके लोगों द्वारा चाइनीज मांझा उपयोग करने के सवाल का जवाब देते हुए पतंग कारोबारियों ने कहा पतंग उड़ाने वाले कहां से चाइनीज मांझा मंगाते हैं, उन्हें इनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

मंदिर में प्रवेश नहीं...

केवल मंदिर में पूजा करना चाहते हैं। वहीं मंदिर में जाने से रोके जाने के बाद राहुल गांधी कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ धरने पर बैठ गए।

'ज्ञानवापी व शाही ईदगाह भी हिंदुओं को सौंपे मुसलमान'

बोले बाबरी की खुदाई का सच बताने वाले केके मोहम्मद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में विवादित स्थल की पहली और दूसरी खुदाई के दौरान एएसआई के अधिकारी रहे केके मोहम्मद का कहना है कि मुसलमानों को ज्ञानवापी और मथुरा की शाही ईदगाह को हिंदुओं को सौंप देनी चाहिए। इंटरव्यू में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नॉर्थ जोन के रीजनल डायरेक्टर रहे केके मोहम्मद ने कहा कि विवाद का एक मात्र समाधान इन स्थलों को हिंदुओं को सौंप देना ही है। इसको लेकर सभी धर्मगुरुओं को एकत्रित हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम, शिव और श्रीकृष्ण के साथ हिंदुओं की भावना जुड़ी हुई है। वहीं मुस्लिमों की कोई भावना यहां से नहीं जुड़ी है। मुस्लिमों की भावना से मक्का और मदीना जुड़ा है।

मिलती रहती हैं धमकियां

बात दें कि केके मोहम्मद को 22 जनवरी की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया गया था। हालांकि वह समारोह में नहीं गए। उनका कहना है कि बीमारी के चलते वह फिट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार उन्हें धमकियों का सामना करना पड़ता है। वह केरल के कोझिकोड में रहते हैं। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने विवाद स्थल की खुदाई में मिले परिणाम के बारे में बताया था तब से ही उनको धमकियां मिलने लगीं।

पहली खुदाई में ही मिल गए थे मंदिर के स्तंभ

अयोध्या में पहली बार जब खुदाई हुई तभी यहां से 12 स्तंभ मिले थे। उनमें से कई स्तंभों पर हिंदू निशान बने हुए थे। उस समय केके मोहम्मद बीबी लाल की टीम में ट्रेनी के तौर पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीबी लाल नहीं चाहते थे कि ये बातें सामने आएं और कोई विवाद पैदा हो। इसलिए इसका प्रकाशन नहीं करवाना चाहते थे। लेकिन बाद में कम्युनिस्ट इतिहासकारों ने कहा कि खुदाई में कुछ भी नहीं मिला। इसके बाद प्रोफेसर बीबी लाल को जवा देना पड़ा और उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सच बता दिया। केके मोहम्मद ने कहा कि 1992 में जब बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया तो यह सुनकर भी मैं हैरान रह गया था। उन्होंने कहा कि एक पुरातत्ववेत्ता के रूप में मैं कभी किसी भी संरचना को नष्ट करने का समर्थन नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इस बात की खुशी है कि खुदाई के बाद जो निष्कर्ष दिए गए उशके परिणामस्वरूप राम मंदिर बन गया है और भगवान राम विराजमान हो रहे हैं।

पंजाब और हरियाणा समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का सितम जारी है। रविवार सुबह घने कोहरे और दिनभर चलीं बर्फीली हवाओं के चलते ठिठुरन बढ़ गई है। ज्यादातर इलाकों में कहीं हल्का तो कहीं घना कोहरा देखा गया। दोपहर बाद कुछ जगह धूप खिली, लेकिन सर्दी कम नहीं हुई। कोहरे के चलते सड़क, रेल से लेकर हवाई यातायात तक प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सोमवार को कोहरे का रेड अलर्ट और उसके बाद तीन दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दिल्ली में धुंध के बीच कम दृश्यता के कारण कई उड़ानों में देरी बताई जा रही है।

■ दिल्ली में धुंध, कम दृश्यता के कारण कई उड़ानों में देरी

कार्यालय, नगरपालिका परिषद् रतनपुर, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र. / 2125 / न.पा./ लो. नि. / 2024 रतनपुर दिनांक 19.01.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर. नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	Bid Due Date	Physical Documen Sub.
151911	खण्डोबा मंदिर होते हुये महामाया चौक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 199.55	12/02/24	13/02/24
151923	वार्ड क्र. 06 बुढामहादेव मंदिर होते हुये रामटेकरी मंदिर स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य		12/02/24	13/02/24
	वार्ड क्र. 15 मेनरोड होते हुये मुशेशाह दरगाह तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 30.17		
	वार्ड क्र. 03 से मेनरोड से होते हुये बैरागबन मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य			
	वार्ड क्र. मेनरोड से होते हुये महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 66.69		
	वार्ड क्र. 03 चपोरा से मेनरोड से महामाया मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य			
	वार्ड क्र. 07 मेनरोड होते हुये गिरजाबंद मंदिर तक स्ट्रीट लाईट विद्युतिकरण कार्य	Rs. 57.66		
	कुल योग	Rs.154.52		

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

Green City, Clean City, Dream City.

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् रतनपुर

राशिफल

मेष — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — फिर भी व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे।

कुंभ — फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा।

शब्द पहेली - 5403

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5402 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 5413

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5412 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

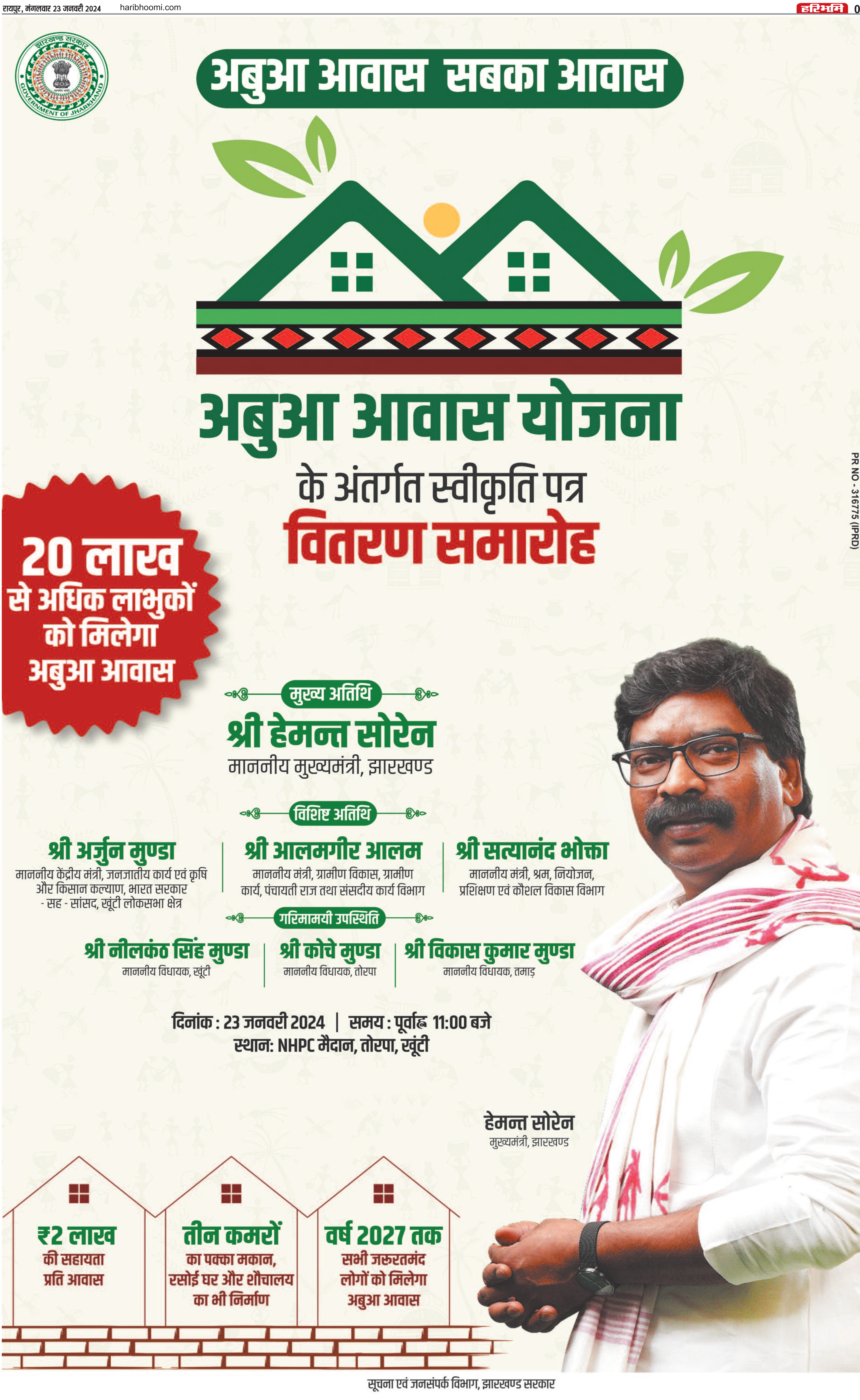
GOVERNMENT OF JHARKHAND
झारखण्ड सरकार
अबुआ आवास सबका आवास
अबुआ आवास योजना
के अंतर्गत स्वीकृति पत्र
वितरण समारोह
20 लाख से अधिक लाभुकों को मिलेगा अबुआ आवास
मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड
विशिष्ट अतिथि
श्री अर्जुन मुण्डा
माननीय केंद्रीय मंत्री, जनजातीय कार्य एवं कृषि और किसान कल्याण, भारत सरकार - सह - सांसद, खूंटी लोकसभा क्षेत्र
श्री आलमगीर आलम
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज तथा संसदीय कार्य विभाग
श्री सत्यानंद भोक्ता
माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
गरिमामयी उपस्थिति
श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा
माननीय विधायक, खूंटी
श्री कोचे मुण्डा
माननीय विधायक, तोरपा
श्री विकास कुमार मुण्डा
माननीय विधायक, तमाड़
दिनांक : 23 जनवरी 2024 | समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान: NHPC मैदान, तोरपा, खूंटी
हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड
₹2 लाख की सहायता प्रति आवास
तीन कमरों का पक्का मकान, रसोई घर और शौचालय का भी निर्माण
वर्ष 2027 तक सभी जरूरतमंद लोगों को मिलेगा अबुआ आवास
PR NO - 316775 (IPRD)
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

गणतंत्र दिवस
विशेष

आज जब हम अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं, महिलाओं की स्थिति का आकलन करते हैं तो उनकी राह आसान नहीं दिखती है। लेकिन महिलाओं ने संघर्ष किया और अपना विकास पथ बनाया। आज देश में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाओं की सशक्त भागीदारी ना हो। वे भारत के विकास की अहम कड़ी बन हमारे गणतंत्र को मजबूत बना रही हैं।

भारतीय गणतंत्र को सशक्त बना रही हैं महिलाएं

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी राष्ट्र की बुनियाद उसकी पारिवारिक व्यवस्था होती है। हर क्षेत्र में देश को आगे ले जाने वाले नागरिक घर के आंगन में बड़े होते हैं। उनके विचार और व्यवहार को इसी परिवेश में वह दिशा मिलती है, जो देश की दशा बदल दे। इस मोर्चे पर घरेलू महिलाएं सैनिक-सी डटी नजर आती हैं। वहीं काम-काजी दुनिया में भी महिलाओं ने अपनी भूमिका को हर पहलू पर सिद्ध किया है। परवरिश के दायित्व निर्वहन और पारिवारिक रिश्तों-नातों को पोसते हुए प्रोफेशनल वर्ल्ड में बढ़ती भारतीय महिलाओं की धमक इस गणतांत्रिक देश की गौरव गाथा का हिस्सा है।

जिजीविषा, जद्दोजहद और जीत

एक ओर महिलाएं काम-काजी महिला के रूप में नई इबारत लिख रही हैं तो दूसरी ओर घरेलू जिम्मेदारियां संभालते हुए देश की तरक्की की बुनियाद का पत्थर बन मन-जीवन को थामने का दायित्व भी निभा रही हैं। 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हमारे देश में आधी आबादी का यह सफर आसान नहीं रहा। भारतीय महिलाओं के भीतर बसी जिजीविषा ही है कि उनके कदमों की गति बनी रही। कभी साक्षर भर होने की लड़ाई लड़ने वाली महिलाएं अब उच्च शिक्षा की डिग्रियां ले रही हैं। हर वर्ष परीक्षा परिणामों में अव्वल आती बेटियों के चेहरे बताते हैं कि जद्दोजहद के बाद जीत निश्चित है। सबसे अहम यह है कि उनकी इस जीत में देश की व्यवस्था भी विजेता बन रही है। शिक्षित सजग बेटियां सैन्य मोर्चे से लेकर अंतरिक्ष के अभियानों तक अहम हिस्सेदारी रखती हैं। गणतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में संविधान ने तो महिलाओं और पुरुषों को समान नागरिक अधिकार दिए, लेकिन इन अधिकारों को जीने के लिए आधी आबादी को अनगिनत मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा है। महिलाओं ने पूरे मनोयोग से हर स्तर पर यह लड़ाई लड़ी। जिजीविषा के बल

पर जद्दोजहद करते हुए स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने और गणतंत्र को सशक्त बनाने में प्रभावी भूमिका दर्ज कारवाई। विपरीत परिस्थितियों में भी सशक्त मन से उठाए सबल कदमों ने आधी आबादी की जीत सुनिश्चित की।

जागरुकता और जज्बातों का मेल

महिलाओं का सबल होना किसी भी सशक्त राष्ट्र की संजीवनी के समान होता है। बतौर नागरिक सशक्त व्यक्तित्व की धनी महिलाओं का मन संवेदनाओं से पूरित हो, इससे बेहतर क्या हो सकता है। भारतीय महिलाएं अपने मनोबल को कायम रखने और औरों के मर्म को समझने वाले व्यक्तित्व की धनी हैं। आज की महिलाएं जागरूक हैं तो जज्बातों को समझने वाली भी। मेहनती हैं तो अपनों की मान-मनुहार करने वाली भी हैं। सजग हैं तो सामाजिक भी। आधी आबादी की सबलता और मानवीय भावों की समझ का यह मेल समाज को पुख्ता आधार देता है। यही बुनियाद पूरी व्यवस्था को मजबूती से थामती है। आधी आबादी के समझ और संवेदनाओं भरे संघर्ष का ही परिणाम है कि सशक्त नागरिक की भूमिका को जी रहीं भारतीय महिलाएं सामाजिकता के रंग भी बचाए हुए हैं। जीवन के कितने ही रंगों को समेटे बदलाव और बेहतरी की मशाल थामे देश के विकास में भागीदार बन रही हैं। उनके इस हौसले के चलते ही बहुत कुछ बदला है। साथ ही बेहतरी के भावी बदलावों की आशाओं से भी हमारी झोली भरी है। जिस समाज में महिलाओं को अशक्त और आदर्श बनाकर दोयम दर्जे की नागरिक माना गया, वहां अनगिनत समस्याओं से लड़ते हुए स्वावलंबन की ओर अग्रसर होना नई आशाओं को बल देता है। भारतीय गणतंत्र की मुकम्मल कामयाबी में आधी आबादी की भूमिका रेखांकित करने योग्य है।*

समर्पण और सुदृढ़ सोच

भारतीय महिलाएं सधी सोच समर्पण के भाव संग समाज में नवसृजन-नवनिर्माण कर रही हैं। उनका चेतना संपन्न व्यक्तित्व नए मार्ग चुन नई मंजिलें तय कर रहा है। महिला मन के मजबूत इरादों से साल-दर-साल उपलब्धियां बढ़ ही रही हैं। महिला वोटर्स की सजगता और भागीदारी देखकर हर बार सुखद आश्चर्य होता है। पंचायती राजव्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं से भी आधी आबादी का जुड़ाव बढ़ा है। साल 2023 में नारी शक्ति वंदन विधेयक यानी वुमन रिजर्वेशन बिल संसद द्वारा पारित किया गया। इस विधेयक में पार्लियामेंट और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। लंबा समय लेने के बावजूद इन बदलावों का धरातल पर उतरने का कारण महिलाओं की दृढ़ता ही है। भारतीय संविधान को बहुत सी आशाओं के साथ देश में लागू किया गया था। इन उम्मीदों में स्त्रियों के लिए समानता और सबलता का पक्ष सबसे अहम था। मौजूदा दौर में स्वतंत्र गणराज्य में देश की आधी आबादी का जीवन हर पहलू पर बदलाव का साक्षी बना है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय में राजनीतिक आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चों पर उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाएं आज स्वयंसिद्धा हैं।

अभिमत / प्रस्तुति : अंशु सिंह

हमारे संविधान ने महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन हमारी परंपरागत सोच ऐसी रही है कि महिलाओं के विकास में बाधाएं बनी हुई हैं, इसका बड़े विवेक से सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना होगा, तभी हम भारतीय गणतंत्र में अपनी सार्थक भागीदारी निभा सकेंगे।

गणतंत्र में ऐसे संभव है हमारी सार्थक भागीदारी

कृष्णा अग्निहोत्री, लेखिका

अब गणतंत्र ही नहीं, गुण तंत्र की अधिक आवश्यकता है, जो गणतंत्र का परिष्कृत रूप होगा। यह महिलाओं के गुण से ज्यादा प्रभावी होगा। क्योंकि नारी सृजन में अत्यधिक प्रवीण है। उसके इस गुण से राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्वाचित पद पाने में आसानी होगी। निर्वाचित महिला, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मातृ-स्वास्थ्य जैसे कल्याणकारी मुद्दे और योजनाओं पर अधिक विचार करेगी। राजनीतिक पार्टियों को टिकट बंटवारे में महिलाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे और भी कल्याणकारी योजनाओं पर बल दिया जाना चाहिए। मैं मानती हूं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय समाज और राजनीति में नारी की भागीदारी बढ़ाने के लिए उसे शिक्षा की सुविधा दी जाए, तो वे अपनी विजय का परचम लहराकर देश के गणतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।*

रीता गंगवानी, पर्सनालिटी ट्रांसफॉर्मेशन कोच

भारतीय महिलाएं काफी हद तक सशक्त हो चुकी हैं। अब जरूरत है, लैंगिक समानता लाने की। क्योंकि महिलाएं आज भी समान वेतन के लिए संघर्षरत हैं। कार्यस्थल पर उनके लिए उपयुक्त और सुरक्षित माहौल का अभाव है। शादी करना या मातृत्व लाभ लेना उनकी पेशेवर तरक्की में बाधा बनती है। आज महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। अच्छी बात यह है कि देश में महिला साक्षरता दर बढ़ने से उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ा है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इतना ही नहीं, राजनीति में भी उनका दखल स्पष्ट दिखाई देने लगा है। महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन बिल' को मंजूरी मिलने के बाद एक उम्मीद जगी है कि इससे राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।*

प्रो. फरहाना कौसर, राजनीति शास्त्र विभाग, एएमयू

जब हम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें यह देखना है कि महिलाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने की कितनी आजादी है। मसलन, पंचायती राज व्यवस्था को ही लें। वहां महिलाओं का अच्छा प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि ज्यादातर मामलों में फैसले उनके पति लेते हैं। यह कैसी व्यवस्था है? जनता महिला उम्मीदवार को चुनती है, तो निर्णय लेने का अधिकार भी उनका ही होना चाहिए। अब जब 33 फीसदी आरक्षण के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने जा रही है, तो राजनीतिक दलों के साथ खुद महिलाओं को सोचना होगा कि वे किस प्रकार से राष्ट्र निर्माण में एक सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं, भारत के गणतंत्र को सशक्त बना सकती हैं।*

मुमताज जे. शेख, एडवोकेट-सुप्रीम कोर्ट

आज के समय में महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सभी जगहों में अहम भूमिका में हैं। वे विज्ञान जगत में बेहतरीन कार्य कर रही हैं। बड़े-बड़े स्पेस मिशन का नेतृत्व कर रही हैं। दरअसल, महिलाएं प्रतिदिन कई प्रकार की भूमिकाएं सहजता से निभाती हैं, जिस कारण उन्हें समाज की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में महिलाएं अपने नजरिए में बड़ा बदलाव लाकर खुद को सशक्त बना सकती हैं। अपने अधिकारों को पूरा लेने के लिए और समाज में न्याय, समानता बनाए रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। गरीबी, दहेज प्रथा, अशिक्षा के संपूर्ण उन्मूलन और महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों और कानूनों के सार्थक कार्यान्वयन के लिए सख्ती से काम करना होगा, क्योंकि गणतंत्र की मजबूती के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी है। यह परिवार, समाज के साथ राष्ट्रोन्नति के लिए भी अति आवश्यक है।*

नए कीर्तिमान / वीना गौतम

गणतंत्र का मजबूत पहिया हैं भारतीय महिलाएं

आजादी के बाद संविधान निर्मित 'भारतीय गणतंत्र' में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। राजनीति, शिक्षा, देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा, मेडिकल, व्यवसाय, खेल, एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी से लेकर उद्यमिता, सामाजिक सक्रियता और कला-संस्कृति तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं अग्रिम मोर्चे पर अपनी भूमिकाएं ना निभा रही हों।

राजनीति-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान : हाल के सालों में भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की निर्णय लेने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही हैं। आज वो प्रमुख पदों पर हैं, जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे सर्वोच्च पद भी शामिल हैं। महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में भी हाल के दशकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भारतीय महिलाएं कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की ही नहीं, टेक्निकल इंस्टीट्यूट और महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं में भी शानदार उपस्थिति दर्शा रही हैं।

खेल में बढ़ा रही हैं देश का गौरव : महिलाओं ने खेल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एथलीट, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। उड़न परी पीटी उषा, साइना नेहवाल, कर्णम मल्लेश्वरी, सायना मिर्जा, पीवी सिंधु और मैरी कॉम तक अनगिनत लड़कियों ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाकर भारतीय खेलों को नई ऊंचाई दी है।

एयरोस्पेस के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान : भारतीय महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में भी नई लकीर खींची है। वे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। इसरो में महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में पुरुष वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो काम किया है, वह अतुलनीय है।

भारतीय गणतंत्र में अमिट छाप : देखा जाए तो महिलाओं ने आजादी के बाद के पिछले कई दशकों में अपने सभी तरह के अधिकारों, सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों के बारे में भी हाल के सालों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सभी संभव प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया है। हर कार्यक्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की ही हैं, अपनी लगन और जिजीविषा से महिलाओं ने भारतीय गणतंत्र में अपनी एक अमिट छाप भी छोड़ी है।*

देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाएं विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नेतृत्व पदों पर कार्यरत हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में योगदान दे रही हैं।

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

भारतीय संविधान में स्त्री हो या पुरुष, सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हैं। लेकिन पारंपरिक सामाजिक संरचना के चलते, महिलाएं आज भी अपने अधिकारों का पूरा उपयोग नहीं कर पाती हैं। देश और आधी आबादी के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि हर स्त्री अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो।

आह्वान / आशा शर्मा

स्वविवेक से हम करें अपने अधिकारों का उपयोग

भारत का संविधान लिखते समय बाबा साहब आंबेडकर और उनकी प्रारूप समिति द्वारा समाज के सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया था। आज हम अपने संविधान पर गर्व करते हैं, क्योंकि इसमें समाज की आधी आबादी को भी पूरे अधिकार दिए गए हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार देने का प्रावधान है, लेकिन क्या सामाजिक स्तर पर भी संविधान की पालना की जाती है? क्या

हमारा गण (समाज) भी तंत्र (संविधान) के समान महिलाओं को समता का अधिकार देता है? यदि नहीं तो महिलाओं के ऐसे बहुत से मौलिक अधिकार हैं, जिन पर गण और तंत्र की सोच के बीच के मतभेद को मिटाने की पहल करने की जरूरत है। यहां हम ऐसे ही कुछ मौलिक अधिकारों की सामाजिक स्थिति को देखने का प्रयास कर रहे हैं।

मतदान का अधिकार: संविधान का अनुच्छेद 326 हमें मतदान का अधिकार देता है। हमारे देश में संविधान द्वारा 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार दिया गया है। तंत्र के स्तर पर देखा जाए तो इसमें स्त्री-पुरुष में कोई भेद नहीं है, लेकिन सामाजिक स्तर पर देखें तो आज भी अधिकांश महिलाओं के वोट की स्थिति परिवार के पुरुषों द्वारा निर्धारित की जाती है। महिलाओं को मतदान केंद्र के अंदर जाने से पहले तक रटाया जाता है कि उन्हें किस चुनाव चिन्ह पर मोहर लगानी है? सुनो स्त्रियों! अब दूसरों द्वारा निर्देशित इस मानसिकता से बाहर निकलने का समय आ गया है। स्वयं विचार करो, सोचो-समझो फिर सही प्रत्याशी को अपने मत के जरिए चुनो।

शिक्षा का अधिकार : संविधान के अनुच्छेद 21, भाग 3 में शिक्षा का अधिकार दिया गया है। संविधान में 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। इसके साथ-साथ सरकारें भी अपने स्तर पर महिला शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल करते हुए उनके हित में अनेक योजनाएं लाती हैं। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद सामाजिक स्तर पर आज भी महिला शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया जाता। कोई परिवार यदि एक ही बच्चे को पढ़ाने में सक्षम है तो निश्चित रूप से वह बालक की शिक्षा को ही प्राथमिकता देगा बालिका की शिक्षा को नहीं। सुनो स्त्रियों! तुम चाहे कैसी भी परिस्थिति में रह रही हो लेकिन बेटे के समान ही अपनी बेटी को भी शिक्षा का अधिकार अवश्य दिलाओ। ना भूलों कि बेटी को आत्मनिर्भर बनाने की राह में यह पहला कदम है।

समान वेतन का अधिकार : संशोधित अधिनियम-1976, अनुच्छेद-141 के अनुसार, संविधान में समान पद पर समान वेतन का अधिकार प्रदत्त है। लेकिन सामाजिक स्तर पर महिलाओं को यह अधिकार केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित है। अन्य कई संस्थानों में आज भी महिला और पुरुषों के वेतनमान में असमानता देखी जाती है। यहां तक कि बहुत से संस्थान तो महिलाओं को अधिक महत्वपूर्ण पद या जिम्मेदारी देने से भी कतराते हैं। असंगठित क्षेत्रों में तो महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले लगभग आधी पगार ही दी जाती है। सुनो स्त्रियों! अपने साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से ना झिझको। आंदोलन करो और अपना हक लेकर ही मानो।

संपत्ति में अधिकार : हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, 2005 के अनुसार, भारतीय संविधान महिलाओं को पैतृक संपत्ति में भी बराबर का अधिकार देता है। लेकिन अपने आस-पास के समाज में निगाह दौड़ाएं तो ऐसे कितने परिवार हैं, जो इस कानून को मानते हैं? आज भी पैतृक संपत्ति घर के बेटों में ही बराबर बंटती है। हां, कानून की निगाहों में धूल झोंकने के लिए अवश्य महिलाओं से उनके हिस्से की संपत्ति को भाइयों के हक में रिलीज करवा लिया जाता है। सुनो स्त्रियों! अपनी भावनाओं से खेलने का हक किसी को ना दो। अपने अधिकार का हिस्सा लेने में कैसी शर्म? जरूरत पड़े तो अपने अधिकार के लिए कानून का सहारा लो।

जीवनसाथी चुनने का अधिकार : संविधान का अनुच्छेद 21 महिलाओं को भी पुरुषों के समान अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। लेकिन क्या सचमुच महिलाएं ऐसा करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं? सच यह है कि आज भी उनकी सोच पर परिवार और समाज का पहरा होता है। आज भी अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने वाली लड़की को समाज तिरछी निगाह से देखता है। ऑनर किलिंग जैसी घटनाएं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सुनो स्त्रियों! अपने मन की सुनो। बिना किसी दबाव के अपना जीवनसाथी चुनो, क्योंकि उसके साथ जीवन तुम्हें बिताना है, समाज को नहीं।

सिर्फ यहां बताए गए अधिकार ही नहीं, ऐसे ही और भी बहुत से अधिकार हैं, जो हमारे संविधान और शासनतंत्र ने तो दिए हैं लेकिन गण द्वारा उनकी अनुपालना नहीं की जाती है। हमें याद रखना चाहिए कि कोई भी अधिकार थाली में परोसकर नहीं मिलते, उनके लिए आवाज उठानी पड़ती है, संघर्ष करना पड़ता है। प्रवाह में रुकावटें आना स्वाभाविक सी बात है लेकिन इस तरह की बाधाओं से घबराकर आवाज उठानी बंद मत कर देना। भरोसा रखों, वो समय अवश्य आएगा, जब आधी आबादी को पूरे अधिकार मिलेंगे। तब तक प्रयास और निरंतर संघर्ष करते रहना होगा। *

गौरवमयी अतीत / शिखर चंद जैन

कई महिलाओं ने निभाई संविधान निर्माण में अहम भूमिका

26 जनवरी 1950 को जो संविधान देश में लागू हुआ, उसके निर्माण में महिलाओं ने भी महती भूमिका निभाई थी। संविधान सभा में सम्मिलित कुछ महिला हस्तियों की भूमिका पर एक दृष्टि।

हालांकि भारतीय संविधान निर्माण के लिए गठित हमारी संविधान सभा में कुल 389 सदस्यों में से सिर्फ 15 महिलाएं ही थीं। लेकिन इन महिलाओं ने इसमें बड़ी भूमिका का निर्वाह किया। ये महिलाएं थीं-अम्मू स्वामीनाथन, दक्षयानी वेलायुधन, बेगम एजाज रसूल, दुर्गाबाई देशमुख, एनी मसकाराने, हंसा जीवराज मेहता, कमला चौधरी, लीला राय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, राजकुमारी अमृत कौर, रेणुका राय, सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी, विजय लक्ष्मी पंडित। इनमें से हम आपको उन महिलाओं के बारे में यहां बता रहे हैं, जिनके बारे में बहुत कम लिखा गया है, जबकि उनकी भी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही।

दक्षयानी वेलायुधन

4 जुलाई 1912 को कोचीन के बोलागेटी आईलैंड के एक दलित परिवार में दक्षयानी वेलायुधन का जन्म हुआ था। 1945 में उन्हें राज्य सरकार द्वारा कोचीन लेजिस्लेटिव काउंसिल के लिए चुना गया। वे 1946 में संविधान सभा में चुनी जाने वाली पहली और अकेली दलित महिला थीं। दक्षयानी ने संविधान निर्माण के दौरान दलित अधिकारों की बात उठाई। वे असेंबली की सबसे युवा सदस्य थीं। उन्होंने भरी सभा में कहा कि जातिगत भेदभाव या संप्रदायवाद चाहे वह किसी भी रूप में हो, राष्ट्रीयता की भावना के खिलाफ है। लेकिन वे अनुसूचित जाति के नाम पर आरक्षण के पक्ष में भी नहीं थीं।

बेगम एजाज रसूल

बेगम एजाज का जन्म एक अमीर मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनकी शादी जमींदार नवाब एजाज रसूल से हुई। संविधान सभा की वह अकेली मुस्लिम महिला सदस्य थीं। गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 अधिनियम लागू होने पर उन्होंने अपने पति के साथ मुस्लिम लीग ज्वाइन किया। इसके बाद वे चुनावी राजनीति में सक्रिय हो गईं। 1952 में वे राज्यसभा के लिए चुनी गईं और 1969 से 1990 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्य रहीं। बेगम एजाज रसूल ने आरक्षण को एक आत्मघाती कदम बताया था। उनका मानना था कि यह अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों में टकराव की स्थिति उत्पन्न करेगा। उन्होंने नागरिकों के मौलिक अधिकारों की बात को पुरजोर तरीके से रखा। उनकी सलाह थी कि इसे सुनिश्चित करने के लिए हर राज्य में एक स्वतंत्र निकाय नियुक्त होना चाहिए।

पूर्णिमा बनर्जी

पूर्णिमा बनर्जी, इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समिति की सचिव थीं। 1930-40 के दशक में स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेने वाली महिलाओं में उनका प्रमुख नाम था। सत्याग्रह आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। समाजवादी विचारधारा पर उनके भाषण बेहद प्रभावशाली होते थे। उन्होंने ट्रेड यूनियन, किसानों और ग्रामीण अंचलों के लिए काफी काम किया। पूर्णिमा बनर्जी महिलाओं को समान शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की बात पर हमेशा जोर देती रहीं। उन्होंने कारागार में बंद लोगों के अधिकारों पर भी लंबी बहस की थी।

राजकुमारी अमृत कौर

लखनऊ में जन्मी राजकुमारी अमृत कौर, स्वतंत्र भारत की पहली स्वास्थ्य मंत्री थीं। इस पद पर वे 10 वर्षों तक रहीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई इंग्लैंड के शेरबोर्न स्कूल फॉर गर्ल्स से की। बाद में वे 16 वर्षों तक महात्मा गांधी की सचिव रहीं। वे दिल्ली स्थित एम्स यानी ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की संस्थापकों में से एक थीं। वे महिलाओं को शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य में समान अधिकार दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहीं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और कर्तव्यों के लिए जरूरी मशविरा देते हुए समान नागरिक कानून की बात भी उठाई। उनके मुताबिक यूसीसी महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में समान अधिकार सुनिश्चित कर सकता है। *

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नारीशक्ति की शान

गर्वायोजन / शैलेंद्र सिंह

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के हमारे भारत में बहुत कुछ नया, बहुत कुछ पहली बार हो रहा है। इसी क्रम में इस बार गणतंत्र दिवस परेड पर महिला सैनिकों की भरपूर जांबाजी देखने को मिलेगी।

बहुत कुछ दिखेगा पहली बार

इस साल गणतंत्र दिवस परेड को साल 2019 बैच की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्वेता के. सुगाथन लीड करेंगी। इस परेड में दिल्ली पुलिस की हेड महिला कांस्टेबलों के साथ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, नौसेना, वायु सेना सहित सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक की सभी महिला टुकड़ियां भी शामिल होंगी, जिनमें सैन्य नर्सिंग सेवा और महिला डॉक्टर भी शामिल होंगी। इस बार गणतंत्र दिवस की मार्चिंग परेड में तीनों सेनाओं की अग्निवीर महिला सैनिक भागीदारी करेंगी। इस बार की परेड में आर्मी, इंडियन नेवी और एयरफोर्स की महिला सैनिकों का जॉइंट दस्ता भी होगा, जिन्हें तीनों सेनाओं की महिला ऑफिसर एक साथ परेड में लीड करेंगी। अब के पहले कभी भी तीनों सेनाओं का संयुक्त दस्ता गणतंत्र दिवस परेड में एक साथ शामिल नहीं हुआ। इसलिए यह ऐतिहासिक घटना होगी। इसकी घोषणा पिछले साल ही कर दी गई थी।

परेड की थीम होगी नारीशक्ति

भारत में गणतंत्र दिवस परेड, सैन्य समारोह के मामले में सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। ऐसे में इस बार कर्त्तव्य पथ पर महिला सैनिकों की परेड देखना, एक नए युग को करवट लेते देखना होगा। सिर्फ महिला सैनिकों की परेड ही नहीं होगी बल्कि इस परेड में झांकी और परफॉर्मेंस में भी महिलाएं ही शामिल होंगी। मार्चिंग बैंड भी महिलाओं का ही होगा। हालांकि साल 2015 के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला अफसरों के दस्ते ने शिरकत की थी और साल 2023 की परेड में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और त्रिपुरा की झांकियों में भी नारी शक्ति की झलक दिखी थी। लेकिन पूरी तरह से परेड की थीम नारी शक्ति पर पहली बार रखी गई है।

बढ़ रही महिला भागीदारी

दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी रुयांगुनुओ केंसे करेंगी। वास्तव में केंद्र सरकार ने इस बार गणतंत्र दिवस परेड की पूरी थीम को महिला भागीदारी से ओत-प्रोत रखा है। इस फैसले के चलते कर्त्तव्य पथ पर इस साल हर तरफ देश का परचम लहराती हुई महिलाएं नजर आएंगी। हालांकि यह अचानक नहीं हो रहा, वर्तमान केंद्र सरकार लगातार सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है और अब सेना के तमाम क्षेत्रों में भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को सौंपे जाने की तैयारी हो रही है। भारतीय सेना जल्द ही आर्टिलरी रेजीमेंट में महिलाओं को कमान सौंपने की तैयारी कर रही है।

सेना में दिख रहे कई बदलाव

हालांकि यह बहुत साहसी फैसला है कि कर्तव्य पथ पर मार्चिंग बैंड सिर्फ महिलाओं का हो, क्योंकि अभी तक मार्चिंग दस्ते में भी और मार्चिंग बैंड में भी पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। लेकिन अब धीरे-धीरे स्थितियां हर तरफ बदल रही हैं और आने वाले दिनों में ऐतिहासिक रूप से बदली हुई दिखेंगी। भारत की तीनों सेनाओं में आने वाले दिनों में महिलाएं, पुरुषों के बराबर भूमिकाओं में मौजूद होंगी। वे लड़ाकू विमान उड़ाएंगी, युद्धपोतों की कमान संभालेंगी और इंफैंट्री टैंक और कॉम्बैट में भी पॉजिशन लेती हुई दिखेंगी। उन्हें स्थाई कमीशन देकर कमांड भूमिकाएं सौंपी जाएंगी। कर्नल गीता राणा कुछ दिनों पहले चीन की सीमा से लगे संवेदनशील लद्दाख के क्षेत्र में एक स्वतंत्र इकाई की कमान संभाल चुकी हैं, जो पहली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसी साल हिंदुस्तान में अपनी किसी महिला सैन्य अधिकारी कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे और ठंडे युद्ध क्षेत्र सियाचीन में तैनात किया है। भारतीय सेना में हो रहे ये तमाम ऐतिहासिक बदलाव इस बार की गणतंत्र दिवस परेड में दिखेंगे। सेना में आधी आबादी महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभर रही है। यह अकारण नहीं है कि भारत ने पहली बार सूडान के अबेई जैसे जोखिम भरे क्षेत्र में 27 महिला शांति सैनिकों की अपनी टुकड़ी तैनात की है। इन सब ऐतिहासिक हलचलों के बीच गणतंत्र दिवस परेड का खास होना स्वाभाविक है। वैसे भी यह 75वां गणतंत्र दिवस है, जो कि आजादी के बाद के लोकतांत्रिक सफर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। ऐसे में महिलाओं की बढ़ती भूमिका निश्चित ही गर्व करने योग्य है। *

लघुकथा / ललित शौर्य

लक्ष्मीबाई ब्रिगेड

अनुराधा मोहल्ले में नई-नई आई थी। आते ही उसने पूरे मोहल्ले की महिलाओं का दिल जीत लिया। वह गाती बहुत सुरीला है। अब तो वह किटी पार्टी, मैरिज एनिवर्सरी और बर्थ-डे पार्टीज की जान बन गई है। सभी उसकी बहुत तारीफ करते हैं। उसके मीठे गायन की तरह उसका व्यवहार भी सबके प्रति बहुत मीठा रहता है।

गणतंत्र दिवस नजदीक था। अनुराधा ने मोहल्ले की महिलाओं से पूछा, 'आप लोगों का इस बार गणतंत्र दिवस पर क्या प्लान है? कोई धमाकेदार तैयारी करते हैं, जो कुछ अलग हटकर हो।'

'अरे गणतंत्र दिवस तो बच्चे और पुरुष मनाते हैं। हम महिलाएं कहां इसे मनाती हैं, घर के कामों में बस लगी रहती हैं।' ममता बोली।

'ममता ठीक कहती है, हमारे मोहल्ले में तो हमेशा बच्चे और पुरुष ही गणतंत्र दिवस पर प्रभात-फेरी निकालते हैं। पुरुष समारोह का आयोजन और संचालन करते हैं। महिलाएं इन आयोजनों में कोई हिस्सेदारी नहीं निभातीं।' सरिता ने बताया।

अनुराधा यह सब सुनकर चौंकी, बोली, 'ऐसा कैसे हो सकता है? संविधान ने हम महिलाओं को इतने अधिकार दिए हैं। आधी आबादी को ध्यान में रखते हुए कई कानून बनाए गए हैं। नारी शक्ति वंदन बिल भी पिछले दिनों संसद में पास हुआ है। ऐसे में हमें अपने संविधान और देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का इससे अच्छा अवसर क्या मिलेगा? मैं तो कहती हूं, हम सब मिलकर लक्ष्मीबाई ब्रिगेड बना लेते हैं। गणतंत्र दिवस वाले दिन हमारे ब्रिगेड की परेड अलग से निकले। उस दिन हम देशभक्ति के गीत गाएं, साथ में अन्य आयोजन भी करें।'

'ऐसा तो हमने कभी सोचा ही नहीं, तुम ठीक कहती हो अनुराधा। हम आज से ही गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरू कर देते हैं।' ममता उत्साह से बोली। मोहल्ले की अन्य महिलाओं ने भी इस कार्यक्रम के लिए सहमति दे दी।

अगले ही पल मोहल्ले की लक्ष्मीबाई ब्रिगेड का गठन हो गया। इस ब्रिगेड ने एक भव्य आयोजन की योजना बनाई। बड़े-बुजुर्गों ने जब गणतंत्र दिवस पर इस तरह महिलाओं की भागीदारी की बात सुनी तो उन्होंने इसकी सराहना की। उन्हें अपने मोहल्ले की महिलाओं पर गर्व महसूस हो रहा था। *

समारोह को लेकर बॉलीवुड में धूम...

अयोध्या में दिखा सितारों का पारंपरिक अवतार, हेमा ने डांस की तो सोनू-शंकर ने दी भजनों की प्रस्तुति

अनुराधा पौडवाल ने भजन प्रस्तुत किया।

कंगना रनौत

अयोध्या। सोमवार 22 जनवरी का दिन भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन के रूप में हमेशा अंकित रहेगा। आज के दिन अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ राम भक्तों का सदियों का इंतजार खत्म हुआ है। सिनेमा जगत के सितारों को भी इस अद्भुत पल का साक्षी बनने का मौका मिला, जिसका हिस्सा बनकर वह काफी खुश दिखे। सभी सितारे यहां पारंपरिक अवतार में पहुंचे थे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान हेमामालिनी ने शानदार नृत्य तथा सोनू निगम व शंकर महादेवन ने बेहतरीन भजनों की प्रस्तुति दी।

अभिषेक,अमिताभ, चिरंजीवी, रामचरण

अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन के साथ अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के लिए पहुंचे थे। यहां बाप-बेटे की जोड़ी ने कुर्ते के साथ दोनों ने राम के नाम की केसरी रंग की चुनरी ओढ़ी थी। इनके अलावा दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता रामचरण अपने पिता चिरंजीवी के साथ यहा आए थे और दोनों शॉल के साथ कुर्ता-पैंट पहने नजर आए।

सोनू ने गाया 'राम सिया राम' भजन

भारतीय सिनेमा के जाने-माने गायक सोनू निगम ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समोराह कार्यक्रम की शुरुआत अपनी मधुर आवाज में भजन 'राम सिया राम' गाकर की। सोनू का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह 'राम सिया राम' भजन गाते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं सोनू निगम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पत्रकार से बात करते हुए उनकी आंखों से खुशी के आंसू बहते नजर आ रहे हैं।

शंकर महादेवन ने गाया ये भजन

सोनू की प्रस्तुति देने के बाद प्रसिद्ध गायक और संगीतकार शंकर महादेवन ने मंच की कमान अपने हाथों में ली और महफिल लूट ली। उन्होंने अपनी मधुर आवाज में 'श्री राम चंद्र कृपालु भजमन' भजन गाया। शंकर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें भगवान राम के भव्य मंदिर की भी झलक देखने को मिल रही है।

हेमामालिनी ने झूमकर किया डांस

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुईं हेमामालिनी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह उद्घाटन के बाद खुशी से झूमती हुई नजर आईं। वीडियो में देखा जा सकता है कि श्रीराम की भक्ति में लीन हेमा बेहद खुशी में डांस कर रहीं हैं। बता दें कि इसके पूर्व भी हेमा ने अयोध्या में 'रामायण' पर आधारित एक नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया था।

आलिया की साड़ी पर टिकीं सबकी निगाहें

आलिया भट्ट श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए पति रणबीर कपूर के साथ पहुंची थीं। रणबीर जहां सफेद रंग के धोती-कुर्ते और शॉल में नजर आए तो आलिया की साड़ी ने सभी का ध्यान खींच लिया। दरअसल, आलिया की फिरोजी रंग की साड़ी के आंचल पर रामायण के खास पलों को दर्शाया गया। सतरंगी चोली की बाजुओं पर द्वारकाधीश की हाथों में माला लिए तस्वीर थी। साथ ही स्वास्तिक और गणपति भी बने थे।

कैटरीना-विक्की की जोड़ी लगी कमाल की

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल भी इस ऐतिहासिक दिन का हिस्सा बने थे। कैटरीना गोल्डन रंग की साड़ी में खूबसूरत लग रही थीं। विक्की की बात करें तो उन्होंने क्रीम रंग का कुर्ता पहना था, जिस पर गोल्डन कढ़ाई हो रखी थी। साथ ही उन्होंने मैचिंग शॉल भी लिया था और अपने बालों को बांध रखा था।

ये कलाकार रहे पारंपरिक परिधान में

माधुरी दीक्षित श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लेने अपने पति डॉ. श्रीराम नेने के साथ अयोध्या पहुंची थीं। अभिनेत्री ने पीले रंग की साड़ी पहनी थी, जिस पर सुनहरे रंग से कढ़ाई हो रखी थी तो डॉ. नेने धोती-कुर्ता पहने नजर आए। इनके अलावा आयुष्मान खुराना, जैकी श्रॉफ, रजनीकांत, हेमामालिनी, रोहित शेट्टी और राजकुमार हिरानी जैसे कई सितारे भी पारंपरिक अवतार में इस भव्य समारोह का हिस्सा बने थे।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

आवश्यकता है- ग्लोबल' इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड में तत्काल परमानेंट भर्ती लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन कार्यानुसार 7300+ 9500+ 11000+ 13500 + 15000 बाहर के लोगों को रहना+ खाना मेडिकल फ्री मार्कशीट की फोटो कॉपी+ 2 फोटो+ बायोडाटा के साथ। **संपर्क करे:- भिलाई पावर हाउस, ओवर ब्रिज के पास लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में (छ.ग.) मो.- 91097-99525.** (RO-6301)

सेल्सकर्मी

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित **सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा** 9424-225533 (RO-379)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

घरेलु/कुक कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में गृह कार्य झाड़ू- पोछा कपड़ा बर्तन साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु शादीशुदा या अकेले पुरुषों एवं महिलाओं (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) की आवश्यकता है। **संपर्क करें:-** 9977200093. (RO -2147)

सुरक्षाऑफिसर/गार्ड

आवश्यकता है- इंडो चैन प्रा. लि. भनपुरी में सिक्योरिटी ऑफिसर / सिक्योरिटी इंस्पेक्टर की आवश्यकता है। रहने, बिजली व मोबाइल की सुविधा दी जायेगी। खाने व बाइक का इंतजाम स्वयं करना होगा। सैलरी 25000 से 35000 प्रतिमाह। भूतपूर्व सैनिकों को प्राथमिकता। जो वर्तमान में सिक्योरिटी ऑफिसर या सिक्योरिटी इंस्पैक्टर है ये पोस्ट सिर्फ़ उनके लिए है सिक्योरिटी गार्ड संपर्क ना करें।न्यूनतम आयु 40 वर्ष व न्यूनतम 10 वर्ष का इसी कार्य का अनुभव अनिवार्य। **संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 6232941921.** (RO-61)

आवश्यकता है- फैक्ट्री हेतु सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर-10, वेतन 14-20 हजार तक गार्ड 12-18 तक (PF+ ESIC + Bonus, खाना + आवास की सुविधा) 10वीं से स्नातक तक नोटः- वेतन प्रतिमाह 7 तारीख **को संपर्क- शिव सेक्युरिटी शॉप नं. 28 कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन, रायपुर (छ.ग.) फोन 0771-4036689, 8806770891, 7052408688** (RO-1084)

एकाउन्टेंट

आवश्यकता है- एक असिस्टेंट एकाउन्टेंट की जो कि Tally ERP एंव MS Office की जानकारी रखता हो। **संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर फोन 0771-4075490, 7987927854, 7469980000** (RO-1093)

चौकीदार

आवश्यकता है- धनोरा चौक के पास खमरिया रोड पर बन रहे मकान के लिए चौकीदार की आवश्यकता है **संपर्क :- 96696-66601.** (आरो न.-1001)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु 7 सेल्समेन,1 कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर-1 सभी रायपुर लोकल अनिवार्य,अनुभवी को प्राथमिकता, **विरदी साड़ी कंकालीपारा रायपुर समय 10.30-9.30, मो.,9425522577, 9340477419.** (RO-1412)

क्लीनिक वर्क

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में कार्य करने हेतु लड़के/लड़किया/ पुरूष/महिला जरूरत **संपर्क:- डॉ.अग्रवाल गुरूद्वारा स्टेशन रोड दुर्ग मोहन नगर थाना के सामने मो.-98271-99213.** (आरो न.-394)

आवश्यकता

आवश्यकता है- भुइयां के गोठ न्यूज़ पेपर एवं वेबसाइड पोर्टल में समस्त जिला व ब्लाक स्तरों में एजेंसी देना है. ड्राइवर की आवश्कता हैं, रहने खाना की बवस्था **सम्पर्क मो. 9754305000 मो. 9407707044.** (RO-D)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कुक

आवश्यकता है- रायपुर AIIMS के पास रेस्टोरेंट हेतु किचन - महिला कुक वेटर- महिला या पुरुष, डिलीवरी बवाय **संपर्क - 9926197172, 8225048516.** (RO-A)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- सिविल लाइंस, रायपुर में घरेलू कार्य जैसे कपड़े आयरन,कपड़े धोना, कमरों की साफ़ सफ़ाई आदि हेतु 35 वर्ष से अधिक उम्र के महिला की आवश्यकता है। कार्य करने का समय सुबह 9 से रात 11 बजे तक। रहने हेतु रूम(रूम केवल कर्मचारी हेतु रहेगा परिवार के रहने की व्यवस्था नहीं दी जाएगी) बिजली व तीन टाइम का खाना दिया जाएगा ।सैलरी 12000-15000 प्रतिमाह । मिलने आते वक्त अपना आधार कार्ड, बिजली बिल, व दोनो डोज वैक्सीन सर्टिफिकेट अवश्य लाये। **संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक 9340730994.** (RO-62)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- एक्सपर्ट कंप्यूटर ऑपरेटर, जेम ऑनलाइन, हिंदी, इंग्लिश टाइपिंग पी एफ ई एस आई, जी एस टी वर्क करने हेतु कर्मचारी चाहिए सैलरी कार्य वेतन 10000/- सुरक्षा गार्ड चाहिए 10 वेतन 10000/-तुरंत **संपर्क करें 78692-84963, 93292-80863.** (आरो न.-395)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़े की दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के /लड़कियों संपर्क:- **जय स्पोर्ट्स तनिष्क शोरूम के पीछे पंडरी रायपुर 7587145990.** (RO-1881)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- बिस्कुट एजेंसी में कार्य करने हेतु ड्राइवर (TATA ACE) एवं हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें 883 9412038** (आरो न.-392)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक वस्त्र व्यवसाय में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समेन व साड़ियो का अनुभवी सेल्समेन एंव हेल्पर की आवश्यकता है **संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658.** (RO-1633)

कुक

आवश्यकता है- कुक घरेलू अनुभवी 2 सिनियर महिला जिसे सभी तरह का अच्छा खाना बनाना आता हो रहने रूम भी मिल सकता है टाटीबंध के लिए तुरंत **संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 8889986669.** (RO-2426)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों एंव टेली आपरेटर (फिमेल) की **संपर्क करें राजेश होजियरी, रेमंड एवं माटेकार्लो शोरूम के पीछे मेन रोड पंडरी 9407923601, 9826908201.** (आरो-PM)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइवर का शादीशुदा होना व 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00। इंटरव्यू के लिए आते वक़्त अपना आधार कार्ड, बिजली बिल, व ड्राइविंग लाइसेंस अवश्य लाये। सैलरी 18000/- प्रतिमाह। (किसी भी तरह की अन्य सुविधा जैसे रहना, ख़ाना,पेट्रोल नहीं दिया जायेगा) **पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल करने का समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक :- 9340730994.** (RO-60)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

चौकीदार

तत्काल आवश्यकता है:- राजनांदगांव से 12 कि.मी. पर नए बन रहे मछली और बकरी फार्म में रह कर चौकीदारी करने वाले व्यक्तियों की। **संपर्क - 77229-16130.** (आरो न.-397)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ के बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं, 12वी, स्नातक, वेतन 10000 (रहना फ्री) ट्रेनिंग पश्चात कमाएं 20000 से 25000 **सम्पर्क करें- 9039470547, 7489497447, 7389769528.** (RO-32614)

वक्र फार्म होम

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी में पार्ट /फुल टाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के /लड़कियां, ग्रहणीया, स्टूडेंट, रिटायर्ड पर्सन कमाए (21,500- 67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whatsapp **करें:- 9631550466.** (RO-2425)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घरबैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप + मोबाइल मुफ़्त) NAME, **पता** QUALIFICATION, CALL / SMS / WHATSAPP **करें :- 8695963713.** (RO - 1306)

आवश्यकता है- Reliance jio 5G कंपनी में पार्ट/फुलटाइम घर बैठे Sms Job करके लड़के/ लड़कियां,गृहणियां,स्टूडेंट, कमाए (21,500-67,500) महीना लैपटॉप मोबाइल मुफ्त नाम पता Whatsapp **करें-9330460875, 6296026501.** (RO-6759)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) तुरंत ट्रेनिंग शुरू अनपढ़, 8वीं, 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) सैलरी (32900- 81770) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, चेकर, कंप्यूटर ऑपरेटर, हेल्पर, गार्ड, ड्राइवर (सभी फ्री सुविधाएं) **रायपुर 08929328091.** (RO-2441)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- भाटागांव अंतर राज्य बस स्टैंड के पास रावतपुरा कॉलोनी फेस -1, स्ट्रीट नंबर 5, मोहन भवन प्लॉट एरिया 15x60 टोटल 900sqf में निर्मित डबल मंजिला मकान बेचना है प्रथम तल में दो बेडरूम हाल किचन दो लेटबाथ द्वितीय तल भी एक सामान है **संपर्क:- 7000439483.** (RO-1086)

बेचना है- साकेत बिहार चंगोराभाठा में 700 स्क्वायर फीट जमीन पर बना नवनिर्मित नक्शा पास 2 BHK डुप्लेक्स मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध **संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9893124908.** (RO-2436)

प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- भिलाई-दुर्ग के प्राइम लोकेशन में प्लॉट्स,*पक्की सड़क, नाली, बिजली, गार्डन, ओपनजिम, स्विमिंगपूल* सुविधा के साथ, आवासीय डाइवर्टेड प्लॉट्स उपलब्ध। **संपर्क कॉल या व्हाट्सएप करे 88210-18666.** (आरो न.-396)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

एजूकेशन स्पेशल

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट
(शासन द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान)
संपूर्ण भारत में 50 से अधिक केन्द्र
छत्तीसगढ़ में एकमात्र केन्द्र
सेनेटरी इंस्पेक्टर
स्वच्छता निरीक्षक डिप्लोमा कोर्स
(न्यूनतम योग्यता -12वीं पास)
एक वर्षीय कोर्स
हॉलिडे बैच की सुविधा उपलब्ध
रोजगार के अवसर
नगर निगम / पालिका / पंचायत, रेल्वे, AIIMS, कंटोन्मेंट बोर्ड (रक्षा विभाग), पेस्ट कंट्रोल एजेंसीज, होटल एवं हॉस्पिटलिटी उद्योग, जलापूर्ति एवं विसंक्रमण एजेंसी, चिनी मिल, स्वच्छ भारत अभियान पर केन्द्रित संगठन एवं अन्य विभाग.
ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रवेश की सुविधा
स्वच्छता योद्धा बने प्रवेश हेतु
संपर्क करें- 7987637627, 9977337777, 0771-4915511
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
प्रथम तल, आदर्श टावर, लिबास टेलर के बाजु, तात्यापारा चौक के पास, रायपुर, (छ.ग.) 492001,
Website: www.aiilsg.org

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर...
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद
- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- निःसंतान दम्पति आज ही मिले।

आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ग्रीन चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने
9174440077
9009330088

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
होटल आशीष इंटरनेशनल जी.ई.रोड पॉवर हॉऊस बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिनः सुबह 9 से शाम 7 बजे
रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

सोरियासिस (Psoriasis)
बिना रोगी को देखे मोबाईल से फोटो भेजकर दवा बेचने वालो से फोन द्वारा दवा मंगाने से कुछ नही होगा कोई समस्या हो जाये तो किसको कहां कहने जायेंगे। चिकित्सा के समय डॉक्टर के निगरानी में रहना जरूरी होता है। सावधान। सोरियासिस लाईलाज एक जटिल रोग है इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूरी चिकित्सा है ही नही। यह वात, पीत कफ तीनो की विकृती त्रिदोषज अर्थात इम्यून डिसऑर्डर रोग है। इसमे वायरस बैक्टीरिया दोनो नही है। सिर के रूसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले, दाग, नाखूनो का सड़ना उंगलियो का टेढ़ा होना, जोड़ों में सूजन-दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है। इसमें कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया से रोग नही जाता दब जाता है इससे कईयो के लीवर एवं किडनी खराब हो गये और कई लोग हाईबीपी के शिकार हो गये यदि सफेद दाग (ल्यूकोडमा) एवं समस्त लाईलाज चमड़ी रोगो से परेशान हो।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी. अग्रवाल (एम.डी.)
भारत चिकित्सा रत्न व राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरूस्कार, नेशनल एवार्ड से सम्मानित
मो. 9425555659, 9617789223
डॉ. वी.के. अग्रवाल (बीएएमएस)
(आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ) रजि.न. 00255
मो. 9303948500
निशांत अग्रवाल (फार्मासाईटिस्ट)
मो. 9303242200
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने, बजाज (गोल्ड) फाईनेंस के पीछे दुर्ग (छ.ग.)
समय - शाम 4 बजे से 7 बजे।
अपाईटमेंट फोन से (गुरूवार अवकाश)

सीएम योगी बोले- मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने की खाई थी सौगंध

बरसहिं सुमन देव मुनि बृंदा। जय कृपालु जय जयति मुकुंदा।।

अयोध्या में श्री रामलला हो गए विराजमान, पूरे विधि-विधान के साथ बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

एजेंसी ⏭ अयोध्या

अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि-विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। श्रृंगार युक्त मूर्ति में भगवान के पूरे स्वरूप को देखा जा सकता है। तस्वीर में रामलला माथे पर तिलक लगाए बेहद सौम्य मुद्रा में दिख रहे हैं।योगी ने रामलला भगवान की जय बोलने के साथ भारत माता की जय और जैजै सीतारम से भाषण की शुरुआत की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रभु रामलला के भव्य, दिव्य और नव्य धाम में विराजने की आप सभी को कोटि-कोटि बधाई। मन भावुक है। सीएम योगी ने कहा कि निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे, आज इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत का हर नगर, हर ग्राम अयोध्या धाम है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगी है हर जुबान राम नाम जप रही है। रोम-रोम में राम रमे हैं...ऐसा लगता है कि हम त्रेतायुग में आ गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारत का हर मार्ग रामजन्मभूमि की ओर आ रहा है।

भारत का हर मार्ग रामजन्मभूमि की ओर आ रहा

भारत का हर नगर, हर ग्राम दिखा अयोध्या धाम

अब दुनियाभर लोग प्रभु के पूरे स्वरूप को देख रहे

'रामराज्य' की स्थापना की उद्घोषणा

सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्षों के सुदीर्घ अंतराल के बाद आए प्रभु श्री रामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर आज पूरा भारत भाव-विभोर और भाव विह्वल है। श्री अवधपुरी में श्री रामलला का विराजना भारत में 'रामराज्य' की स्थापना की उद्घोषणा है। 'सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती' की परिकल्पना साकार हो उठी है।

अब अयोध्या धाम में कर्फ्यू का कहर नहीं, रामनाम संकीर्तन गूंजेगा

सीएम योगी ने कहा कि रामकृपा से अब कभी कोई भी श्री अयोध्या धाम की पारंपरिक परिक्रमा को बाधित नहीं कर सकेगा। यहां की गलियों में गोलियां नहीं चलेंगी, सरयू जी रक्त रंजित नहीं होंगी। अयोध्या धाम में कर्फ्यू का कहर नहीं होगा। यहां उत्सव होगा। रामनाम संकीर्तन गुंजायमान होगा। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में त्रेतायुग उतर आया है। प्रभुराम की कृपा से अयोध्या की गलियों में गोलियां नहीं गूंजेंगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा। यहां दीपोत्सव हुआ करेंगे। जैजै सियाराम बोलकर योगी ने अपना भाषण खत्म किया। योगी ने कहा कि हर मन में राम नाम हैं। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं। योगी ने कहा कि आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी।

आज संतोष मिला, पीएम का हृदय से आभार

सीएम ने कहा कि सन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाँति, विचार- दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था।सीएम ने कहा कि संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए आदरणीय पीएम नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार और अभिनंदन। सीएम ने कहा कि भाग्यवान है हमारी पीढ़ी जो इस राम-काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम-काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। जिस अयोध्या को ₹अवनि की अमरावती₹ और ₹धरती का वैकुंठ₹ कहा गया, वह सदियों तक अभिशिप्त रही। उपेक्षित रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पददलित होती रही, किंतु राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाये रखा। आज देखिए... पूरी दुनिया अयोध्या जी के वैभव को निहार रही है।

गोविंद देव गिरि बोले
500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद संकल्प पूरा हुआ

प्राम प्रतिष्ठा के बाद मंच से गोविंद देव गिरि जी महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान श्री राम देश का आत्मविश्वास है। 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद संकल्प पूरा हुआ। प्रधानमंत्री के मंगल हाथों से प्राण प्रतिष्ठा हुई। प्राण-प्रतिष्ठा का अलौकिक क्षण हर किसी को भाव-विभोर करने वाला था।पीएम ने स्वयं प्राण प्रतिष्ठा की नियमावली मांगी।

पत्नी संग नजर आए गोविल
ऑरेंज साड़ी- टेंपल जूलरी पहने पहुंचीं टीवी की सीता

राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में बॉलीवुड से लेकर टीवी तक के स्टार्स सज-धज इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए पहुंच गए हैं। रामायण में राम और सीता का रोल निभाने वाले अरुण गोविल और दीपिका चिखलिया कई दिनों से अयोध्या में थे। दोनों के अब लुक भी सामने आ गए हैं। दीपिका ने अपने लुक को ऑरेंज और पिंक कलर की साड़ी में नजर आईं। उन्होंने पारंपरिक डिजाइन की शॉल भी मैच की हुई थी। दीपिका ने अपने लुक को हैवी टेम्पल जूलरी से कंप्लीट किया। लाल बिंदी और गोल्ड की चूड़ियों के साथ दीपिका का लुक शानदार लग रहा था।

पीएम मोदी धर्मगुरुओं से मिले और उनसे बातचीत भी की।

रामलला को साष्टांग प्रणाम करते हुए पीएम मोदी।

आज खुशी मिली इतनी... रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन जन्मे कई बच्चे

गाजियाबाद। गाजियाबाद के जिला महिला अस्पताल में प्राण प्रतिष्ठा के दिन कई बच्चों ने जन्म लिया है। इन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाएं खुद को और अपने बच्चों को बहुत ही भाग्यशाली मान रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा के दिन बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को कहना है कि हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं कि हमें आज भगवान राम ने संतान दी है। एक महिला ने कहा कि आज मेरा बेटा पैदा हुआ है। ऐसे में उसका नाम लव कुश रखूंगा, जबकि दूसरी महिला ने कहा मैं अपने बेटे का नाम राम रखूंगी। उनका कहना है कि सनातन धर्म के मानने वालों के लिए आज से बड़ा दिन कोई और नहीं हो सकता है। वहीं जिन माताओं को बेटी पैदा हुई है वो भी अपनी लाड़ली का नाम सीता रखने की बात कह रही हैं।

- लोगों ने राम, लव कुश, सीता और राम-रहीम जैसे नाम रखे

हर नवमी को रामलला के माथे पर सूर्यदेव लगाएंगे तिलक

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर की एक अनूठी विशेषता है कि यहां हर नवमी को सूर्यदेव स्वयं रामचंद्र के माथे पर तिलक लगाएंगे। सिंह ने आगे कहा कि राम मंदिर के निर्माण के दौरान इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि हर साल 'श्रीराम नवमी' के दिन दोपहर के समय सूर्य की किरणें भगवान राम की मूर्ति के माथे पर लगभग 6 मिनट तक पड़े।

रामलला के लिए चांदी का छत्र पोशाक लेकर पहुंचे पीएम मोदी

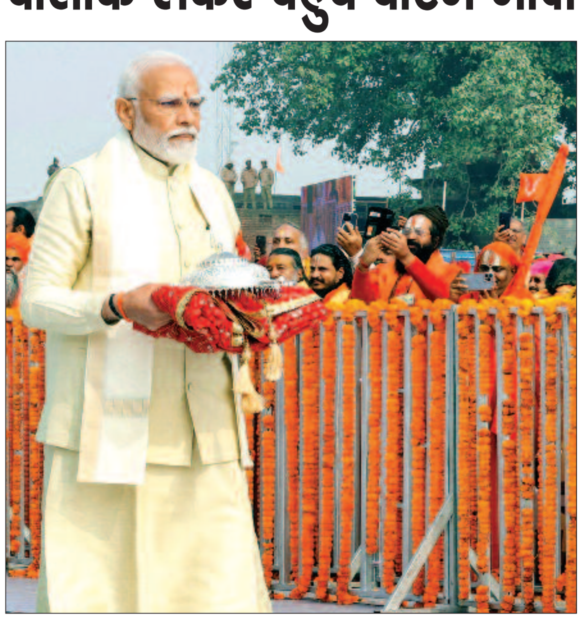

पीएम मोदी ने कहा कि दिव्य कार्यक्रम का हिस्सा बनना मेरा परम सौभाग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर पहुंचे। पीएम मोदी रामलला के लिए चांदी का छत्र लेकर पहुंचे. पीएम मोदी रामलला के लिए पोशाक भी लेकर पहुंचे। हाथ में चांदी का छत्र लेकर पीएम मोदी ने राम मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया। प्राण प्रतिष्ठान के के लिए अनुष्ठान शुरू हो गया है। राज्यपाल आनंदी बेन, सीएम योगी ने स्वागत किया।

पीएम मोदी ने कुबेर टीला पर प्राचीन शिव मंदिर में की पूजा-अर्चना : पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद कुबेर टीला स्थित शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। अयोध्या में स्थित कुबेर टीला पर एक प्राचीन शिव मंदिर है। श्री राम मंदिर के निर्माण के साथ-साथ श्रीराम भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस मंदिर का भी पुनरोद्धार करवाया है। मान्यता है कि यहां धन के देवता कुबेर आए थे और टीले पर भगवान शंकर की पूजा के लिए शिवलिंग की स्थापना की थी। वहीं इस मंदिर में मां पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेय की भी मूर्तियां हैं। पहले यहां हर वर्ष शिव भगवान की बारात निकलती थी लेकिन 2005 में परिसर पर हुए आतंकी हमले में बाद यह कार्यक्रम बंद कर दिया गया था।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820GSTN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (LINE) Block-4, Near CSPHCL Dispensary, Dagania, Raipur (C.G.)
Website: www.cspc.co.in E-Mail- ce.eht@cspc.co.in Phone no. 0771 – 2574221, 2574224 Fax No.2574222

No. 02-05/line/O.S./Tender-35/2592 Raipur, Date: 19/01/2024

E-NOTICE INVITING TENDER

Sl No	Tender Sp. No.	Particulars	Qty	E.M.D	Tentative Cost
1	Tender-35 (Rfx 8100035740) Deployment of 07 Nos Computer Operators though outsourcing at various division under SE (EHT:C&M) Circle, CSPTCL, Bhilai for a period of one year	Highly Skilled Manpower (Computer Operator)	07 Nos	Rs. 17,428/-	Rs.17.43 Lakh
	Last Date & Time of Sale of Tender			13/02/2024	17:30 Hours
	Last Date & Time of Submission of Tender			14/02/2024	15:00 Hours
	Date & Time of Opening of Tender			14/02/2024	15:30 Hours

For all other details of NIT and term & condition, please visit our website www.cspc.co.in/csptcl_tendernotices/CSPTCL_Tender.htm.

SAVE ELECTRICITY

CHIEF ENGINEER(Line)
CSPTCL–RAIPUR

कार्यालय अधिष्ठाता,
चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
ई-मेल: cmmedicalcollege@gmail.com वेबसाईट: www.ccmgmedurg.ac.in

क्रमांक/302 /स्था./VRDL/2024 दुर्ग, दिनांक-19/01/2024

// संविदा भर्ती हेतु विज्ञापन //

छत्तीसगढ़ शासन, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय, महानदी भवन नवा रायपुर के पत्र क्रमांक एफ 3-29/2023/पचपन, नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 07.03.2023 तथा कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा का पत्र क्र./ 9117/ स्था-2/ संचिशि / 2023 नवा रायपुर दिनांक 22.09.2023 के द्वारा चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग के वायरोलॉजी लैब (VRDL) हेतु स्वीकृत पद के विरूद्ध पात्र अभ्यर्थियों से 01 वर्ष की संविदा भर्ती के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है ।

क्र.	पद का नाम	पदो की संख्या	आयु	मासिक संविदा वेतन
1	सीनियर साईन्टिस्ट	01 (UR-01)	30-45 वर्ष	65000.00 रूपये मासिक
2	जूनियर साईन्टिस्ट	02 (UR-01, ST-01)	26-40 वर्ष	50000.00रूपये मासिक

उपरोक्त पदों पर भर्ती के संबंध में विस्तृत विवरण प्राप्त करने हेतु महाविद्यालय की वेबसाईट www.ccmgmcdurg.ac.in या कार्यालय के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते है ।

विज्ञापन में आवेदन कर संस्था में आवेदन को अभ्यर्थी के द्वारा **पंजीकृत / स्पीड पोस्ट** से अधिष्ठाता, चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दुर्ग जिला-दुर्ग छ.ग. 490024 निर्धारित समय सीमा में **दिनांक 29.02.2024 शाम को 5 बजे तक** प्राप्त होना चाहिए।

अधिष्ठाता
चंदूलाल चंद्राकर स्मृति
शा. चि. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

G- 07266/3

COLLEGE OF AGRICULTURE
INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA
KRISHAK NAGAR RAIPUR 492012 (C.G.)
Telephone: 0771-2970217 Email - deanagriraipur@gmail.com

No. VV/Stores/2023-24/2024/7823 रायपुर दिनांक 20/01/2024

UG Admission Notice 2023-24

Online applications are invited for admission to Under Graduate programme of this Vishwavidyalaya in the Faculty of Agriculture on the basis of merit list of CUET (ICAR-UG)-2023. The application form along with all other details will be available on the web link https://igkv.ac.in from 20/01/2024. The last date of filling online application is 02/02/2024. All interested candidates are advised to visit the web link and fill the online application form within the stipulated time.

REGISTRAR
I.G. Krishi Vishwavidyalaya
RAIPUR (C.G.)

S-39431/1

कार्यालय अस्पताल अधीक्षक
डी. के. एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्युट एवं रिसर्च सेन्टर
डी. के. एस. भवन रायपुर (छ.ग.)
Email-dkspgi@gmail.com

क्रमांक / डी.के.एस. / रख-रखाव / 2024 317 रायपुर, दिनांक 19/01 /2024

निविदा संशोधित सूचना

निविदा संदर्भ क्रमांक/178/डी. के. एस./रख-रखाव/2024 रायपुर, दिनांक 10/01/2024
(Eproc Tender ID - 151682)

डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्युट एवं रिसर्च सेंटर, रायपुर (छ.ग.) के लिए डायलिसिस सर्विस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्योरमेंट साईट www.eproc.cgstate.gov.in के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित किया गया हैं, जिसमें PRICE BID का प्रारूप दिया गया हैं। जिसमें आंशिक संशोधन किया गया हैं, जिसके विस्तृत जानकारी के लिए संस्था के वेबसाईट www.dkspgi.in का अवलोकन करें ।

नीचे दिये गये कंडिका का सभी Bidders पालन करें।

01. सभी निविदा कर्ता (Bidders) सिर्फ प्रति मरीज प्रति डायलिसिस सेवा शुल्क समस्त कर सहित कोड नंम्बर 1 एवं कोड नंम्बर 3 वाले कॉलम (DIALYSIS MACHINE) एवं (CRRT MACHINE) में ही प्राईज बिड को भरा जावे, बाकी के अन्य सभी कॉलम को खाली छोड़ें। शेष नियम व शर्तें यथावत रहेगी।

अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज
डी. के. एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्यूट एवं
रिसर्च सेन्टर रायपुर (छ.ग.)

G-07283/1

कार्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी,
विकास खण्ड-बकावण्ड, जिला - बस्तर (छत्तीसगढ़)

भर्ती सूचना

क्रमांक/वि.खं.शि.अ./ स्था0 01 / 137 / 2024,
बकावण्ड दिनांक 17/01/2024

समग्र शिक्षा के अन्तर्गत विकासखण्ड बकावण्ड के पीएमश्री शाला प्रा०शा० तारापुर यूडाइस कोड 22152916003 हेतु स्वीकृत 01 पद अंशकालिक योगा / खेल शिक्षक / प्रशिक्षक की नियुक्ति हेतु निश्चित मानदेय प्रतिमाह 10000.00 (दस हजार रूपये मात्र) कुल 03 माह हेतु स्वीकृत है। पीएमश्री शाला में पद की पूर्ति हेतु विज्ञापन जारी की गई है। पात्र एवं ईच्छुक आवेदकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदक दिनांक 29/01/2024 समय सायं 05:00 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। विज्ञापन एवं आवेदन पत्र का प्रारूप बस्तर जिले के वेबसाईट https://bastar.gov.in में अवलोकन / डाउनलोड किया जा सकता है।

विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी,
विकास खण्ड - बकावण्ड

G-07263/1

कार्यालय अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/353-54/चिकि. महा./क्रय/ निवि./2023-24 राजनांदगांव दिनांक 18/01/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव में चिकित्सकीय उपकरण एवं अन्य उपकरण किये जाने हेतु निर्माता कंपनी / अधिकृत प्रतिष्ठानों / अधिकृत डीलरों से निविदा आमंत्रित की जाती है । निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 06.02.2024 को दोपहर 3:00 बजे तक ही जमा किया जायेगा एवं उक्त दिनांक को ही दोपहर 4:00 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव कार्यालय मे खोला जायेगा सीलबंद लिफाफे के ऊपर "चिकित्सकीय उपकरण के लिये निविदा वर्ष 2023-24" का नाम स्पष्ट रूप से उल्लेख करें ।

चिकित्सकीय उपकरण एवं अन्य उपकरण प्रदाय हेतु निविदा संबंधी नियम शर्तें, संस्था की वेबसाईट www.abvmgmcrajnandgaon.ac.in से प्राप्त की जा सकती है ।

अधिष्ठाता
भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी
स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

G-07272/2

Directorate of Veterinary Services, Chhattisgarh
Indrawati Bhawan, Block-3,Nawa Raipur Atal Nagar
Phone no.0771-2331393,94,95 Fax no.0771-2331392/95
email-dirvet.cg@nic.in

e Tender Invitation Notice

Online Tenders are invited For RATE CONTRACT AND SUPPLY OF VETERINARY ALLOPATHIC MEDICINES for financial year 2024-25 of Department of Veterinary services, Chhattisgarh. The detailed schedules are as follows.

S. No.	Tender Details	Name of Work	Amount in (Rs.)
1	Tender No.366 Date 19.01.2024 .Starting Date of online Tender Submission 23.01.2024 .Pre Bid Meting Date- 30.01.2024, 2.00 PM .Last Date of Tender Submission 22.02.2024 (5.00 PM)	RATE CONTRACT AND SUPPLY OF VETERINARY ALLOPATHIC MEDICINES	1200.00 Lacs (Approximate)

The detailed tender documents and the list of items are made available under Department-Livestock Development Department (LDD) on website https://www.eproc.cgstate.gov.in and https://agriportal.cg.nic.in/ahd

Director
Veterinary Services Chhattisgarh

G- 07254/6

कार्यालय आयुक्त
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास इन्द्रावती भवन, अटल नगर रायपुर छत्तीसगढ़

क्रमांक /निर्माण/755 / 2023-24 / 11165 नवा रायपुर,दिनांक- 19/01/2024

ई - प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
website https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु तृतीय निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	जिले का नाम	कार्य का नाम	लागत राशि (राशि रू. लाख में)
1	सरगुजा	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कमलेश्वरपुर मैनपाठ सरगुजा में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	60.00
2	सुकमा	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास गोलापल्ली	152.47
3	बिलासपुर	आदिवासी बालक आश्रम सुईधार, वि.ख. कोटा	162.26
4	सुकमा	आदिवासी बालक आश्रम मिनपा, वि.ख. कोण्टा	162.26
5	कांकेर	आदिवासी बालक आश्रम गहरीनबांधा, वि.ख. नरहरपुर	162.26
6	बिलासपुर	100 सीटर अन्य पिछड़ा वर्ग पो.मै. कन्या छात्रावास बिलासपुर	286.46
7	कोरिया	एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पोडीडीह कोरिया में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	55.00

उपरोक्त 07 निविदायें पृथक-पृथक आवेदन की जावेगी। निविदा तिथियां कार्य सूची के सरल क्रमांक अनुसार निम्नानुसार पृथक-पृथक दर्शित की गई है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देख सकते हैं।

Date and time of pre-proposal conference	Date 24.01.2024 - At 3:00 P.M. at Office Of Commissioner, Scheduled Tribes And Scheduled Caste Development Department, Government OfChhattisgarh Address: Block-D,Ground Floor, Indravati Bhawan Atal Nagar Nava Raipur.
Last Date And Time For Uploading Of E- Tender in E-Procurement Platform On Or Before.	Date- 05.02.2024 by 5:00 P.M.
Last date for submissi on of physical bid	Date- 06.02.2024 by 5:00 P.M.
Technical bid will Be Opened Online By The Authorized Officer on	Date - 07.02.2024 by 5:00 PM.
The Price Bid will Be opened online on	Date - 09.02.2024 by 5:00 P.M.

(टी चक्रवर्ती)
कार्यपालन अभियंता
आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास,
नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

G-07275/1

खबर संक्षेप

बीमा कंपनी लॉकटन का भारतीय बाजार में प्रवेश

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित स्वतंत्र बीमा ब्रोकरेज कंपनी लॉकटन ने भारतीय बाजार में प्रवेश की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि लॉकटन के भारत में प्रवेश के लिए नियामक की मंजूरी की आवश्यकता होगी। कंपनी भारत में जोखिम संबंधी परामर्श और प्रबंधन सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। लॉकटन के दुनियाभर में 135 कार्यालय हैं। बयान के अनुसार, संदीप दादिया को भारत का मुख्य कार्यकारी अधिकारी और लॉकटन एशिया नेतृत्व दल का सदस्य नियुक्त किया गया है।

सेलेरिटीएक्स अयोध्या में नेटएक्स पेश करेगा

नई दिल्ली। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) के उद्यम व्यवसाय सेलेरिटीएक्स ने अयोध्या में बेहतर संपर्क के लिए नेटएक्स पेश करने की घोषणा की है।

यह अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान संपर्क स्थापित करने में मदद करेगा। इससे इंटरनेट संपर्क प्रदान करने में स्थानीय संचालकों को भी मदद मिलेगी। नेटएक्स के दल ने समारोह की अवधि के दौरान संपूर्ण प्रोजेक्ट-मैनेजमेंट-ए-ए-सर्विस (पीएमएएएस) और लिंक मॉनिटरिंग के लिए एक प्रभावी इंटरफ़ेस प्रदान किया है।

विकास लाइफकेयर स्काई क्लब में लेगी हिस्सेदारी

VLL

नई दिल्ली। विकास लाइफकेयर लिमिटेड (वीएलएल) दुबई स्थित स्काई 2.0 क्लब में 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 650 करोड़ रुपये) में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। वीएलएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि अधिग्रहण प्रक्रिया चालू वित्त वर्ष 2023-24 में पूरी की जाएगी। कंपनी ने कहा, 'यह अधिग्रहण विकास लाइफकेयर तथा होल्डिंग कंपनी ब्लू स्काई इवेंट हॉल एफजेड-एलएलसी (दुबई) के बीच शेयर अदला-बदली सौदा है।

जिंदल स्टेनलेस ने खुल्बे को किया सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने पूर्णकालिक निदेशक तरूण खुल्बे को मुख्य कार्यपालक

अधिकारी (सीईओ) पद पर पदोन्नत किया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने शेयर बाजार को बताया कि इस संबंध में पिछले सप्ताह कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय लिया गया था। कंपनी ने बताया कि निदेशक मंडल ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में तरूण खुल्बे की पदोन्नति को मंजूरी दे दी है।

तूतीकोरिन अल्कली के संयंत्र में फिर से परिचालन शुरू

चेन्नई। तूतीकोरिन अल्कली केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ने तमिलनाडु स्थित अपने कारखाने में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। इसे दिसंबर 2023 में विनाशकारी बारिश के बाद बंद कर दिया गया था। कंपनी सोडा ऐश और अमोनियम क्लोराइड उर्वरक का उत्पादन करती है। दिसंबर 2023 में देश के दक्षिणी हिस्सों में हुई भारी बारिश के कारण तूतीकोरिन संयंत्र में काम बंद करना पड़ा था।

प्राण प्रतिष्ठा पर बाजार रहा बंद

नई दिल्ली। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर शेयर और मुद्रा बाजार सोमवार को बंद रहे। बाजार में रोज की तरह मंगलवार को कारोबार होगा।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जुटे कॉरपोरेट क्षेत्र के तमाम दिग्गज

मुकेश अंबानी, लक्ष्मी मित्तल, सुनील मित्तल, कुमार मंगलम हुए शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के सोमवार को आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कॉरपोरेट जगत ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस समारोह में मुकेश अंबानी समेत तमाम कॉरपोरेटे दिग्गज शामिल हुए और कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को इस विशेष अवसर पर छुट्टी भी दी।

उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार के साथ इस्पात दिग्गज लक्ष्मी एन मित्तल, भारती एयरटेल के प्रमुख सुनील भारती मित्तल, रिलायंस ग्रुप के प्रमुख अनिल अंबानी और आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला एवं उनकी बेटी अनन्या बिड़ला भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए।

रिलायंस के परिसरों पर विशेष पूजा का आयोजन

अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस अवसर पर अपने सभी कर्मचारियों को छुट्टी दे दी। इसके अलावा कंपनी ने अपने परिसरों में स्थित एक दर्जन से अधिक मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया और अपने जियोटीवी मंच पर मंदिर के 360-डिग्री वर्चुअल दौरे की पेशकश भी की।

ज्ञान व शांति का प्रवेश द्वार बने : गौतम अदाणी

समारोह के लिए निमंत्रित अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अयोध्या मंदिर के कपाट खुलने के साथ ही इसे ज्ञान और शांति का प्रवेश द्वार बनने दें, जो भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सद्भाव के शाश्वत सूत्र से समुदायों को एकजुट करे।'

यहां आकर सौभाग्यशाली हूं: वेम्बू

प्रौद्योगिकी समाधान मंच जोहो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीहर वेम्बू ने भी परिवार के साथ अयोध्या मंदिर की यात्रा की तस्वीरें पोस्ट कीं। वेम्बू ने कहा, अयोध्या में मेरी अम्मा जानकी और मेरे भाई कुमार और उनकी पत्नी अनु के साथ। अम्मा आजीवन भगवान श्री राम की भक्त रही हैं। यहां आकर बहुत सौभाग्यशाली हूं।

शामिल होकर धन्य हूं: रुइया

इसके साथ ही अदाणी ने भारत की संस्कृति एवं साहित्य के बारे में शोध करने वाले 14 छात्रों को छात्रवृत्ति देने की भी घोषणा की। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया भी अयोध्या पहुंचे। रुइया ने एक्स पर कहा, 'अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए श्रद्धा, आस्था और विश्वास के साथ शामिल होकर धन्य हूं।'

नेतृत्व के गतिरोध के कारण यह फैसला लिया गया

सोनी ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब के विलय समझौते को किया समाप्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन ने जी एंटरटेनमेंट के साथ 10 अरब अमेरिकी डॉलर के विलय समझौते को समाप्त कर दिया है। विलय की गई इकाई का नेतृत्व कौन करेगा, इस बात पर गतिरोध के कारण यह फैसला किया गया।

- सोनी ने समझौते को समाप्त करने के लिए नोटिस भेजा

समूह ने इस समझौते को समाप्त करने के लिए जी को एक नोटिस भेजा और विलय समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने के लिए समाप्ति शुल्क के रूप में नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग की। जी ने इस संबंध में शेयर बाजार को दी जानकारी में सोनी के सभी दावों का खंडन किया और कहा कि वह कानूनी मदद लेगा।

खास बातें

- शर्तों का उल्लंघन करने के लिए नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग
- जी ने सोनी के सभी दांवों का किया खंडन, कंपनी कानूनी मदद लेगी

दोनों कंपनियों के लिए समझौता महत्वपूर्ण था

सोनी ने विलय के बाद भी प्रमुख बने रहने की जी के मुख्य कार्यकारी पुनित गोयनका की मांग का विरोध किया था। पुनित गोयनका के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोपों में बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जांच कर रहा है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बने रहने के लिए दोनों कंपनियों के लिए यह समझौता महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

नेतृत्व को लेकर बना गतिरोध

कंपनी ने कहा, 'जी ने कई स्थायी तथा अपरिवर्तनीय कदम उठाकर विलय के प्रति अत्यधिक प्रतिबद्धता दिखाई है, जिसके परिणामस्वरूप जी को एकमुश्त तथा बार-बार आने वाली लागत का सामना करना पड़ा।' समझौते को समाप्त किए जाने की वजह नेतृत्व को लेकर गतिरोध बताई जा रही है।

वैश्विक कंपनियों को मिलती टक्कर

इस समझौते से 70 से अधिक भारतीय टीवी चैनल, लोकप्रिय बॉलीवुड स्टूडियो तथा एक व्यापक फिल्म लाइब्रेरी के साथ एक बड़ा समूह अस्तित्व में आता जो वैश्विक कंपनियों नेटफ्लिक्स और अमेजन को टक्कर देता।

जील ने समझौता समाप्ति की घोषणा की

जापान की कंपनी ने एक बयान में कहा, सोनी ग्रुप कॉरपोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड आज एक नोटिस जारी करते हुए एसपीएनआई और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) के बीच समझौतों को समाप्त करने की घोषणा करती है।

समझौते की घोषणा 22 दिसंबर 2021 को हुई

इस समझौते की घोषणा 22 दिसंबर 2021 को गई थी। कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट को पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के नाम से जाना जाता था। समझौते के तहत विलय 21 दिसंबर 2023 से पहले पूरा किया जाना था। बाद में यह अवधि एक महीने और बढ़ा दी गई थी।

21 जनवरी तक विलय की शर्तें पूरी नहीं हुई

शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा गया, 'विलय अंतिम तिथि तक पूरा नहीं हुआ, क्योंकि अन्य बातों के अलावा विलय की समापन शर्तें तब तक पूरी नहीं हुई थीं।' सोनी ने कहा, 'अत्यंत निराशा हुई कि समय सीमा 21 जनवरी तक विलय की शर्तें पूरी नहीं हुईं।'

टाटा मोटर्स के साणंद कारखाने में अप्रैल से ईवी वाहनों का निर्माण

कंपनी ने फोर्ड इंडिया से किया था अधिग्रहण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टाटा मोटर्स इस साल अप्रैल से फोर्ड इंडिया से अधिग्रहण किये गये साणंद संयंत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों का विनिर्माण शुरू करने की योजना बना रही है।

- 725 .7 करोड़ रुपए में इस संयंत्र का किया था अधिग्रहण

कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी की इकाई टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने पिछले साल जनवरी में फोर्ड इंडिया से 725.7 करोड़ रुपये में इस संयंत्र का अधिग्रहण किया था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक (यात्री वाहन) शैलेश चंद्रा ने कहा, 'हम अप्रैल से नेक्सन ईवी के साथ साणंद में इलेक्ट्रिक वाहन का विनिर्माण शुरू करने की योजना बना रहे हैं।' कंपनी ने पहले ही तीन लाख इकाई प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाले विनिर्माण संयंत्र में नेक्सॉन के पेट्रोल, डीजल संस्करणों का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसके साथ वार्षिक क्षमता बढ़कर 4.2 लाख इकाई हो जाएगी। चंद्रा ने कहा कि कंपनी इस कारखाने में आगामी मॉडल का उत्पादन भी करना चाहती है।

यात्री वाहन उद्योग में पांच फीसदी वृद्धि की उम्मीद

अगले वित्त वर्ष में बिक्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि यात्री वाहन उद्योग में पांच प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। चंद्रा ने कहा, 'हमने कुछ नए उत्पाद पेश करने की योजना बनाई है, इसलिए हम उद्योग से बेहतर वृद्धि करने का लक्ष्य रखेंगे।

फेम के तहत ईवी को दिया गया लाभ

बजट से उम्मीदों पर उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत इलेक्ट्रिक कारों को फेम योजना के तहत लाभ देने से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास में तेजी आने की उम्मीद है। फेम से तात्पर्य भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने तथा विनिर्माण से है।

नेपाल में असेंबली संयंत्र लगाएगी हीरो मोटोकॉर्प

सीजी मोटर्स के साथ मिलकर लगाएगी संयंत्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि वह सीजी मोटर्स के साथ मिलकर नेपाल में असेंबली इकाई स्थापित करेगी। कंपनी ने नेपाल में हाल ही में सीजी मोटर्स को वितरक नियुक्त किया है।

- क्षमता 75 हजार यूनिट प्रति वर्ष होगी
- परिचालन मार्च 2024 से होगा

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि यह संयंत्र नेपाल के नवलपुर जिले में लगाया जाएगा और इसकी क्षमता 75,000 यूनिट प्रति वर्ष होगी। इसमें कहा गया है कि परिचालन मार्च 2024 में शुरू होगा। हीरो मोटोकॉर्प ने वर्ष 2014 में नेपाल में कदम रखा। पिछले कुछ वर्षों में, कंपनी ने खुद को देश में एक अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित किया है। हीरो मोटोकॉर्प के वैश्विक व्यापार विभाग के प्रमुख संजय भान ने कहा, 'अपनी विशाल विशेषज्ञता और विविध व्यावसायिक ज्ञान के साथ, चौधरी ग्रुप (सीजी) यहां हमारे परिचालन को बढ़ावा देगा।'

योजना कई नए उत्पाद पेश करने की

भान ने कहा कि निकट भविष्य में, कंपनी की योजना देश भर में अपने परिचालन को और मजबूत करने और कई नए उत्पाद पेश करने की है। इससे कंपनी के वाहनों के लिए बाजार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। हीरो मोटोकॉर्प नेपाल में सुपर स्प्लेंडर, ग्लैमर, एचएफ डीलक्स और एक्सपल्स 200 मोटरसाइकिल जैसे मॉडल बेचती है।

बिजलीघरों में अप्रैल-दिसंबर में उत्पादन सात प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू कोयले पर आधारित बिजलीघरों में उत्पादन चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 7.14 प्रतिशत बढ़कर 872 अरब यूनिट रहा।

- पहले नौ महीनों में 872 अरब यूनिट रहा

कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि घरेलू कोयले पर आधारित बिजली उत्पादन का बढ़ना देश में बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कोयले की पर्याप्त आपूर्ति को दर्शाता है।

एक साल पहले की समान अवधि में घरेलू कोयला आधारित बिजली उत्पादन 813.9 अरब यूनिट रहा था। ताप-विद्युत बिजली इकाइयों को चलाने के लिए मुख्य

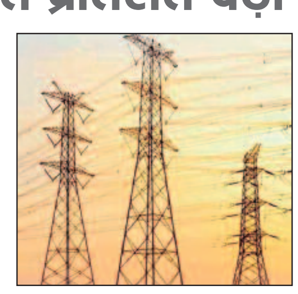

ईंधन के तौर पर कोयले का इस्तेमाल होता है। कुल बिजली उत्पादन में ताप-विद्युत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से भी अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-दिसंबर अवधि में कोयला आधारित बिजली उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 10.13 प्रतिशत बढ़ गया। अप्रैल-दिसंबर, 2022 में बिजली उत्पादन 6.71 प्रतिशत बढ़ा था।

करूर वैश्य बैंक को दिसंबर तिमाही में 412 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 42.56 प्रतिशत बढ़कर 412 करोड़ रुपये रहा।

- चालू वित्त वर्ष में लाभ 42.56 फीसदी बढ़ा

तमिलनाडु के बैंक ने सोमवार को एक बयान में कहा कि बैंक ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 289 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था बैंक का 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए शुद्ध मुनाफा 49.61 प्रतिशत बढ़कर 1,149 करोड़ रुपये हो गया,

जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 768 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कुल आय पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,012.71 करोड़ रुपये से बढ़कर दिसंबर तिमाही में 2,497.17 करोड़ रुपये रही।

बैंक ने कहा कि सकल गैर निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) 31 दिसंबर, 2023 तक 1.12 प्रतिशत सुधर कर सकल कर्ज का 1.58 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2.70 प्रतिशत थी। रुपये में यह दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में 1,152 करोड़ रुपये रही जो जो 31 दिसंबर 2022 को 1,674 करोड़ रुपये थी।

शुद्ध एनपीए 0.42 फीसदी

तिमाही के दौरान शुद्ध एनपीए 31 दिसंबर, 2023 को शुद्ध अग्रिम का 0.42 प्रतिशत यानी 305 करोड़ रुपये था, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को 0.90 प्रतिशत यानी 550 करोड़ रुपये था।

कोलगेट का लाभ तिमाही में 35.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। टूथपेस्ट, ब्रश जैसे दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 35.71 प्रतिशत बढ़कर 330.11 करोड़ रुपये रहा। दंतमंजन खंड में दोहरे अंक की वृद्धि के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी को एक साल पहले इसी तिमाही में

243.24 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इसकी बिक्री 8.21 प्रतिशत बढ़कर 1,386.41 करोड़ रुपये की रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,281.21 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च मामूली गिरावट के साथ 970.14 करोड़ रुपये रहा। समीक्षाधीन तिमाही में सीपीआईएल की कुल आय 8.6 प्रतिशत बढ़कर 1,413.54 करोड़ रुपये रही।

बजट में कागज, पेपरबोर्ड पर आयात शुल्क बढ़ाने की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू कागज और पेपरबोर्ड विनिर्माताओं ने आगामी आम बजट में कागज उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने और गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लगाने की मांग की है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने सोमवार को एक बयान में यह मांग करते हुए कहा कि सस्ते आयात को हतोत्साहित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। संगठन ने कहा कि उसने बजट से पहले सरकार को अपने ज्ञापन में कागज और पेपरबोर्ड के आयात पर मूल सीमा शुल्क को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने का आग्रह किया है।

- आईपीएमए ने आयात शुल्क बढ़ाकर 25 फीसदी करने की मांग

आईपीएमए ने कहा कि इन उत्पादों पर भारत की डब्ल्यूटीओ सीमा दर 40 प्रतिशत है। ज्ञापन में भारतीय उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करने और देश में घटिया उत्पादों के आयात की जांच करने के लिए विभिन्न श्रेणियों के कागज के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी करने को भी कहा गया है। आईपीएमए के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने सरकार से मौजूदा एफटीए (आसियान, दक्षिण कोरिया और जापान) की समीक्षा करते समय और नए एफटीए तैयार करते समय कागज और पेपरबोर्ड को नकारात्मक सूची में रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क में किसी भी बढ़ोतरी से एफटीए के तहत देश में आने वाले शुल्क मुक्त आयात पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

एंटी-डंपिंग शुल्क की मांग

अग्रवाल ने कहा कि कागज की विभिन्न श्रेणियों के आयात पर उपयुक्त सुरक्षा, एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग शुल्क शीघ्रता से लगाया जाना चाहिए। खास तौर से व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिश के बाद ऐसा तुरंत करना चाहिए।

प्रति वर्ष कम से कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना

देश का सबसे बड़ा पर्यटक केंद्र होगा अयोध्याः रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के भव्य उद्घाटन से शहर में प्रति वर्ष कम-से-कम पांच करोड़ पर्यटकों के आने की संभावना है। यह संख्या स्वर्ण मंदिर और तिरूपति मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं से कहीं अधिक है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि हवाई अड्डे जैसे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर खर्च करने से उत्तर प्रदेश का यह शहर एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो जाएगा।

- स्वर्ण मंदिर व तिरूपति मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं से ज्यादा होगी

भारत में धार्मिक पर्यटन सबसे बड़ा खंडः विश्व स्तर पर, वेटिकन सिटी में हर साल लगभग 90 लाख पर्यटक आते हैं और सऊदी अरब के मक्का में लगभग दो करोड़ पर्यटक आते हैं। जेफरीज के अनुसार, धार्मिक पर्यटन अभी भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है।

स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3.5 करोड़ लोग आते हैं

रिपोर्ट के मुताबिक एक नए हवाई अड्डे, विस्तारित रेलवे स्टेशन, आवासीय योजनाओं और बेहतर सड़क संपर्क के साथ नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों के चलते यहां प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में प्रति वर्ष 3-3.5 करोड़ लोग आते हैं, जबकि तिरूपति मंदिर में 2.5-3 करोड़ लोग आते हैं।

पर्यटन ने जीडीपी में दिया 194 अरब डॉलर का योगदान

बेहतर संपर्क और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि पर्यटन ने वित्त वर्ष 2018-19 (कोविड-पूर्व) के दौरान जीडीपी में 194 अरब डॉलर का योगदान दिया और वित्त वर्ष 2032-33 तक इसके आठ प्रतिशत की दर से बढ़कर 443 अरब डॉलर होने की उम्मीद है।

10 लाख यात्रियों को संभालेगा एयरपोर्ट

रिपोर्ट के मुताबिक अयोध्या में नए हवाई अड्डे का चरण -1 चालू हो गया है और यह 10 लाख यात्रियों को संभाल सकता है। रेलवे स्टेशन को प्रतिदिन 60,000 यात्रियों को संभालने के लिए विस्तारित किया गया है। वर्तमान में अयोध्या में 590 कमरों वाले लगभग 17 होटल हैं। इसके अलावा 73 नए होटल तैयार किए जा रहे हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख को खिलाड़ियों ने कहा-ऐतिहासिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

22 जनवरी का दिन रामभक्तों के लिए काफी ऐतिहासिक है। सोमवार ही के दिन अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12.20 बजे से हुई। मगर इससे पहले ही देशभर से रामभक्त अयोध्या पहुंच चुके थे। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर प्राण प्रतिष्ठा समारोह शामिल हुए। टीम इंडिया के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की तस्वीर वायरल हो रही है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी पहले ही अयोध्या पहुंच गए थे। उनका भी लखनऊ पहुंचने का वीडियो पहले ही वायरल हो गया था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद पहले से ही अयोध्या में थे। वेंकटेश प्रसाद वहां से तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर रहे हैं। प्रसाद का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वेंकटेश वीडियो में कह रहे हैं, 'एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम।'

बस राममय हूं

सहवाग ने एक्स पर लिखा, 'भावुक हूं, आनंदित हूं। मर्यादित हूं, शरणागत हूं। सन्तुष्ट हूं, निःशब्द हूं। बस राममय हूं। सियावर रामचंद्र जी की जय। राम लला आ गए। सभी जिन्होंने इसको सम्भव किया, बलिदान दिया, उनका कृतज्ञ। जय श्री राम।'

- वीरेन्द्र सहवाग

जय श्री राम

'खुशी के आंसू और दिल भक्ति और खुशी से भरे हुए। सियावर रामचन्द्र जी की जय। जय श्री राम।'

- वीवीएस लक्ष्मण

यह एक अद्भुत अवसर

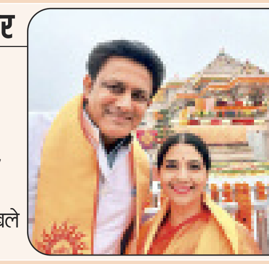

'यह एक अद्भुत अवसर है, एक बहुत ही दिव्य अवसर। इसका हिस्सा बनकर धन्य हूं। यह ऐतिहासिक है। राम लला से आशीर्वाद लेने के लिए उत्सुक हूं।'

- अनिल कुंबले

राम मंदिर से शांति और आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा

जोहानिसबर्ग। *दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सराहना करते हुए उम्मीद जतायी कि यह पूरी मानवता के लिए शांति और सद्भाव लाएगा। महाराज जब क्रिकेट के मैदान पर उतरते हैं तब आम तौर पर स्टेडियम में 'राम सिया राम' की धुन बजने लगती है। इस 33 साल के वामहस्त स्पिनर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह की सराहना करते हुए अपने सोशल मीडिया पेज पर एक वीडियो साझा किया।इस वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, 'मैं महेश कुमार (जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत) और दक्षिण अफ्रीका में पूरे भारतीय समुदाय को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह सभी के लिए शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ज्ञान लाए।' केशव महाराज के परिवार का ताल्लुक मूल रूप से उत्तर प्रदेश ये है। उन्होंने हाल ही में एक साक्षात्कार में भगवान राम के प्रति अपनी भक्ति के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि इस धुन से वह सहज महसूस करते हैं।*

खबर संक्षेप

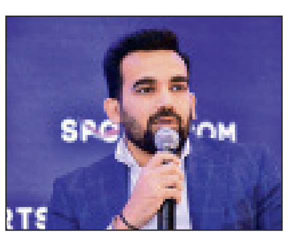

रोहित उदाहरण पेश करने वाले कप्तान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने रोहित शर्मा को 'जिम्मेदारी लेने वाला कप्तान' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में अच्छा योगदान देंगे। जहीर ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, 'हर कोई जानता है कि रोहित ने पूरी टीम पर कैसा प्रभाव डाला है।' जहीर ने कहा कि रोहित की कप्तानी की पहचान उनकी अच्छी तरह से संवाद करने की क्षमता है।

भारतीय डेविस कप टीम ने शुरू की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय डेविस कप टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर खेले जाने वाले आगामी डेविस कप मुकाबले के लिए यहां कड़ाके की ठंड में आयोजित शिविर में तैयारी शुरू कर दी है। इस तैयारी शिविर में टीम का ध्यान अभ्यास के साथ दूसरे एकल मुकाबले को खेलने वाले खिलाड़ी को तय करने पर होगा। रामकुमार रामनाथन टीम में एकमात्र एकल विशेषज्ञ खिलाड़ी हैं।

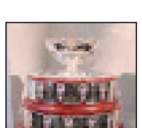

ऑस्ट्रेलियन ओपन : कूलहोफ और मेकटिक को 7-6 7-6 से हराया

बोपन्ना-एब्डेन की शानदार जीत क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने सोमवार को यहां नीदरलैंड के वेस्ली कूलहोफ और क्रोएशिया के निकोला मेकटिक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कूलहोफ और मेकटिक की दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी के खिलाफ 7-6 7-6 से जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने दोनों सेट में शुरुआत में ही सर्विस गंवाई लेकिन 14वीं वरीय जोड़ी के खिलाफ वापसी करते हुए जीत दर्ज की। बोपन्ना और एब्डेन क्वार्टर फाइनल में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोलटेनी की अर्जेन्टीना की छठी वरीय जोड़ी से भिड़ेंगे।

प्री क्वार्टर फाइनल मैच का रोमांच

बोपन्ना की सर्विस ने शुरुआत में उन्हें निराश किया। पहले सेट के दूसरे गेम में उनकी सर्विस तोड़कर विरोधी जोड़ी ने 15 मिनट के भीतर 3-0 की बढ़त बना ली। हाल में डेविस कप से संन्यास लेने वाले बोपन्ना ने हालांकि कुछ शानदार बैकहैंड के साथ वापसी करते हुए अंक जुटाए। पहले सेट के सातवें गेम में कूलहोफ और मेकटिक की जोड़ी ने कुछ सहज गलतियां की और भारत-ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को वापसी का मौका दिया।

बोपन्ना ने इसके बाद नेट पर शानदार खेल दिखाया और ढेरो अंक बटोरे। दूसरे सेट की शुरुआत में भी बोपन्ना ने सर्विस गंवाई जिससे नीदरलैंड-क्रोएशिया की जोड़ी 4-2 से आगे हो गई। आठवें गेम में बोपन्ना और एब्डेन ने एक बार फिर विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़कर वापसी की। टाईब्रेकर में बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी ने 3-0 की बढ़त बनाई और फिर सेट और मैच जीत लिया।

मेदवेदेव ने दर्ज की जीत

दानिल मेदवेदेव ने सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने सोमवार को नुनो बोर्गेस को 6-3 7-6 5-7 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

डायना की धमाकेदार जीत

डायना यास्त्रेमस्का और लिंडा नोसकोवा भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहे। यास्त्रेमस्का ने महिला एकल में दो बार की चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेट में 7-6 6-4 से हराया जबकि 18वें नंबर की एलिना स्वितोलिना जब नोसकोवा से 0-3 से पीछे चल रहीं थी तो उन्होंने पीठ की चोट के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया।

दीपक और निशांत भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया और निशांत देव को भारत की नौ सदस्यीय मुक्केबाजी टीम में जगह मिली है। दोनों 29 फरवरी से 12 मार्च तक इटली के बुस्तो अरसिजियो में होने वाले पहले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के साथ पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा) को भी भारतीय मुक्केबाजी महासंघ द्वारा सोमवार को घोषित भारतीय टीम में जगह मिली है। दीपक (51 किग्रा) ने बीएफआई की मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल को पछाड़कर टीम में जगह बनाई। दीपक और निशांत (71 किग्रा) के अलावा 2022 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) की टीम में वापसी हुई है। युवा महिला विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), गत राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत कुमार (92 किग्रा), हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) को भी टीम में जगह दी गई है।

भारतीय टीम

महिला: जैस्मिन लंबोरिया (60 किग्रा), अंकुशिता बोरो (66 किग्रा)। पुरुषः दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा से अधिक)।

भारतीय हॉकी टीम ने फ्रांस को 4-0 से रौंदा

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सोमवार को यहां फ्रांस को 4-0 से हराकर चार देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। भारतीय रक्षापंक्ति ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। फ्रांस की टीम भारतीय गोल पोस्ट पर अनुभवी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक को चकमा देने में नाकाम रही।

हरमनप्रीत (13वें, 26वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि ललित उपाध्याय (42वें) और उप-कप्तान हार्दिक सिंह (49) भारत के लिए अन्य गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। एक सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और फ्रांस के अलावा मेजबान दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड की टीमें भाग ले रही हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के पूल बी में शामिल

लुसाने । एशियाई खेलों के चैंपियन और टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत को इस साल के पेरिस ओलंपिक खेलों में पुरुष हॉकी प्रतियोगिता में कठिन पूल बी में रखा गया है। आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में 41 साल के पदक के सूखे को खत्म किया था। भारत के साथ पूल बी में ओलंपिक चैंपियन और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेल्जियम, बेहद मजबूत ऑस्ट्रेलिया, रियो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीमें हैं।

सूर्यकुमार सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान

दुबई। *मध्यक्रम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का कप्तान चुना गया है। इसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के रूप में तीन और भारतीयों को जगह मिली है। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम में 11 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्होंने साल भर में अपने बल्ले, गेंद या ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। सूर्यकुमार को लगातार दूसरे साल टीम में जगह मिली है।*

टीम : *सूर्यकुमार यादव (कप्तान, भारत), फिल सॉल्ट (इंग्लैंड), यशस्वी जायसवाल (भारत), निकोलस पूरण (वेस्टइंडीज, विकेटकीपर), मार्क चैपमैन (न्यूजीलैंड), रवि बिश्नोई (भारत), अर्शदीप सिंह (भारत), सिकंदर रजा (जिंबाब्वे), अल्पेश रामजानी (युगांडा), मार्क एडेयर (आयरलैंड) और रिचर्ड नगारवा (जिंबाब्वे) को भी टीम में जगह मिली है।*

इंडोनेशियन मास्टर्स : युगल जोड़ी ने दिया काम के बोझ का हवाला

सात्विक-चिराग हटे, भारत की अगुवाई करेंगे प्रणय

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

स्टार एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे क्योंकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की दूसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी टूर्नामेंट से हट गई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ को कम करने के लिए टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया।

भारतीय जोड़ी के हटने से टूर्नामेंट की चमक कुछ कम होगी लेकिन दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। पुरुष एकल में 32 खिलाड़ियों में ड्रॉ में सातवीं वरीयता के साथ प्रणय एकमात्र वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी हैं। वह अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के लोह कीन यीयु के खिलाफ करेंगे जिनके खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 4-1 है। महिला युगल और मिश्रित युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं उतरेगी।

भारत का इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होगी टेस्ट मैचों की श्रृंखला

कोहली निजी कारणों से शुरुआती दो टेस्ट से हटे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैच से हट गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही प्रशंसकों और मीडिया से अपील की कि वे इस स्टार क्रिकेटर के ब्रेक लेने के कारणों पर अटकलें लगाना बंद करें। पांच मैच की श्रृंखला हैदराबाद में 25 जनवरी से शुरू होगी।

बीसीसीआई जल्द ही उनके विकल्प की घोषणा करेगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बयान में कहा, 'विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट से उन्हें हटाने का आग्रह किया है। विराट ने कप्तान रोहित शर्मा, टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से बात की है और जोर देते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी शीर्ष प्राथमिकता है लेकिन कुछ निजी स्थितियों में उनकी मौजूदगी की जरूरत है।बीसीसीआई उनके फैसले का सम्मान करता है और बोर्ड तथा टीम प्रबंधन ने स्टार बल्लेबाज को अपना समर्थन दिया है और टेस्ट श्रृंखला में सराहनीय प्रदर्शन करने के लिए टीम के बाकी सदस्यों की क्षमताओं पर भरोसा है।' उन्होंने सभी से अपील की कि वे कोहली की निजता का सम्मान करें।

मैक्सवेल के अस्पताल में भर्ती होने की जांच कर रहा सीए

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जांच शुरू कर दी है जिन्हें पिछले हफ्ते एडीलेड में देर रात पार्टी करने के बाद अस्पताल ले जाना पड़ा था। मैक्सवेल मदिरा पी रहे थे और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली की मौजूदगी वाले बैंड 'सिक्स एंड आउट' का कंसर्ट देख रहे थे जब उनकी तबीयत बिगड़ गई। सीए ने कहा है कि उसे मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है। इस ऑलराउंडर ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 'ईएसपीएन क्रिकइंफो' के अनुसार सीए ने बयान में कहा, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को सप्ताहांत एडीलेड में ग्लेन मैक्सवेल से जुड़ी घटना की जानकारी है और आगे की सूचना मांगी जा रही है।'

IndusInd Bank

VEHICLES/MACHINERY AUCTION NOTICE

Online/ Offline bids are invited for the sale of the following vehicles/machinery, on 'as is where is' basis:

Sl.No.	Branch	Contract No.	Customer Name	Regd. No.	Yard Name & Address
1	Manendragarh	FBA02069C	Lal Dev	CG10AB4183	MAHAMAYA YARD, AMBIKAPUR
2	Janjgir	FJR00846C	Sumit Kumar Miri	CG11AP0345	R S PARKING YARD, KORBA
3	Raigarh	FBE01430C	BALRAM CHANDRA	CG13UF7749	SAGAR PARKING YARD RAIGARH
4	Bhilai	FBB01071C	MAHENDRA KUMAR	CG07AW3399	LUCKY PARKING, DURG

For any queries or inspection of the vehicles, please contact us at: Indusind Bank Ltd, 3rd Floor, Ravi Bhawan, Raipur (C.G.)
Call: 0771-4255804, Last Date : 29th Jan., 2024.
The borrowers/co-borrowers/successors/heirs concerned are hereby once again called upon to clear their dues before the above mentioned last date, failing which we shall be constrained to sell the vehicle and recover from them further loss, if any.
-Authorized Officer
Date : 22nd January, 2024, Raipur
www.indusind.com
"Now View, Select and Bid on your favourite Bike/Car online! Register on https://induseasywheels.indusind.com"

अयोध्या ही नहीं बुंदेलखंड के भी राजा हैं श्रीराम
दिन में पांच बार 'गार्ड ऑफ ऑनर' देती है पुलिस

ओरछा। दुनिया जानती है कि प्रभु श्रीराम अयोध्या के राजा थे, लेकिन भारत में एक और ऐसी जगह है, जहां पर प्रभु राम राजा के रूप में विराजते हैं। यहां पर पुलिस दिन में पांच बार उनको गार्ड ऑफ ऑनर देती है। बता दें कि ओरछा में प्रभु श्रीराम के अलावा किसी को भी गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया जाता। कहा जाता है कि प्रभु श्रीराम यहां दिनभर रहते हैं तथा विश्राम करने रात्रि अयोध्या जाते हैं। यह जगह बुंदेलखंड के ओरछा में स्थित है। यह मंदिर करीब 400 साल पुराना है। इस मंदिर के बारे में कई सारी कहानियां कही जाती हैं।

लगभग 400 साल पुरानी है परंपरा

बता दें कि यहां प्रभु श्रीराम को छोड़कर कोई भी वीआईपी नहीं है। पुलिस द्वारा राजा राम को दिन में 5 गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह परंपरा आज से करीब 400 साल पहले से चली आ रही है। यहां पर राजा राम के अलावा किसी और को गार्ड ऑफ ऑनर नहीं दिया जाता है।

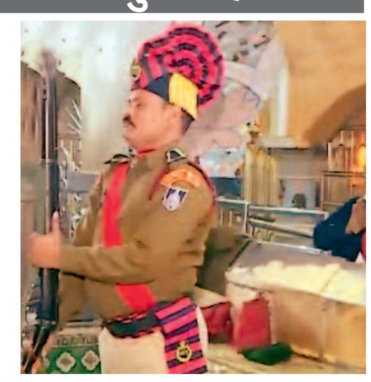

महारानी ने किया निवेदन राम ने रखीं दो शर्तें

कहते हैं कि ओरछा की महारानी ने प्रभु श्रीराम से ओरछा चलने का निवेदन किया था। इस पर प्रभु ने उनकी बात मान ली थी। प्रभु श्रीराम ओरछा चलने को तो राजी हो गए थे, लेकिन उन्होंने रानी के सामने 2 शर्तें रख दी थीं। भगवान श्रीराम ने पहली शर्त रखी थी कि हम जहां विराजमान होंगे, वहां से हमें कोई हिला नहीं पाएगा। प्रभु श्रीराम की दूसरी शर्त थी कि ओरछा के राजा वे स्वयं होंगे। रानी ने उनकी सारी शर्तें मान लीं और वे उन्हें महल में ले आईं। इस मंदिर का इतिहास 400 साल पुराना है। मान्यता है कि बुंदेलखंड की राजधानी ओरछा के राजा मधुकर शाह की पत्नी महारानी कुंवर गणेश भगवान श्रीराम की परम भक्त थीं। प्रभु श्रीराम को प्रसन्न करने के लिए रानी ने अयोध्या में कड़ी तपस्या की थी इसके बाद प्रभु श्रीराम ने उन्हें बाल स्वरूप में साक्षात दर्शन दिए थे।

मंदिर में तब्दील हो गया महल

भगवान श्रीराम के कहे अनुसार कि मूर्ति को कोई हिला नहीं सकता था इस कारण मंदिर को ही महल में तब्दील कर दिया गया। इसके बाद से ओरछा के राजा भगवान श्रीराम हो गए। यहां पर प्रभु श्रीराम को छोड़कर बाकी सभी लोग प्रजा हैं। लोग यहां दर्शन करने आते हैं और अपनी हाजिरी लगाते हैं।

न्यायिक अधिकारी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में एक न्यायिक अधिकारी को सोमवार को पदोन्नत किया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के दो अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश बनाया गया। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने चार जनवरी को न्यायिक अधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के नाम की अनुशंसा की थी। कॉलेजियम ने चार जनवरी को ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राहुल भारती और न्यायमूर्ति मोक्ष खजूरिया काज़मी को स्थायी न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इन नियुक्तियों की घोषणा की।

राम भरोसो राम बल, राम नाम बिस्वास।
सुमिरत सुभ मंगल कुसल, मांगत तुलसीदास।।
रामलला प्राण प्रतिष्ठा शुभकामनाएं

प्रभु श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा की सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।
यह अनगिनत राम भक्तों के त्याग और तपस्या का ही परिणाम है कि आज भारतवासी इस शुभ दिन के साक्षी बने हैं।

Sara Juneja
Sanjeev Juneja
Co-Founders
Divisa Group of Companies
sanjeevjunejasbs imsanjeevjuneja
डा.ऑर्थो | Roop Mantra | पेट सफा | सच्ची सहेली | EYE Mantra | ITCHKU Ayurvedic Malham | ACCUMASS

अयोध्या ही नहीं इन शहरों के कण-कण में भी बसते हैं राम

नई दिल्ली। कण-कण में राम, क्षण-क्षण में राम...श्री राम जय राम जय जय राम...जी हां आज पूरा ब्रह्मांड राम नाम से गूंज रहा है। राम की भक्ति और राम के नाम का रंग पूरे देश में चढ़ा हुआ है। अयोध्या अपने राम के स्वागत में सजी है तो वहीं देश के अलग अलग शहरों में बने राममंदिर भी शोभायमान हैं। देश के ऐसे प्रसिद्ध राममंदिर हैं जो देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं। इन मंदिरों की रौनक आपका मन मोह लेगी, क्योंकि यहां के कण-कण में राम बसते हैं।

कालाराम मंदिर, महाराष्ट्र

नासिक में कालाराम मंदिर भगवान राम का प्रसिद्ध मंदिर है। ये मंदिर भगवान राम के महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक है। मान्यता है कि ये भगवान राम का एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां काले रंग की मूर्ति विराजमान है।

त्रिप्रायर श्रीराम मंदिर, केरल

प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर केरल में भी भगवान राम का मंदिर है। यहां का प्राचीन त्रिप्रायर श्रीराम मंदिर पूरे दक्षिण भारत में प्रसिद्ध है। हर दिन यहां हजारों भक्त पहुंचते हैं। कहा जाता है कि इस मूर्ति की पूजा-पाठ भगवान श्रीकृष्ण किया करते थे। यहां सारी मन्नतें पूरी होती है।

रामास्वामी मंदिर, तमिलनाडु

साउथ के प्रसिद्ध मंदिरों में तमिलनाडु का रामास्वामी मंदिर भी है। ये विश्व प्रसिद्ध मंदिर है जिसे बेहद पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर का उल्लेख रामायण में भी किया गया है। मंदिर की दीवारों पर बनी वास्तुकला रामायण काल की घटनाओं को दर्शाती है। यहां राम, सीता, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की मूर्ति है।

सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर तेलंगाना

गोदावरी नदी के तट पर एक भव्य और प्राचीन राम मंदिर है, जो सीता रामचंद्रस्वामी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि ये मंदिर उसी जगह बना है जहां सीता माता को लंका से लाने के लिए भगवान राम ने गोदावरी नदी को पार किया था। मंदिर में भगवान राम और माता सीता की मूर्ति है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
PRP तकनीक द्वारा गंजेपन का ईलाज

छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9424201700

मधुमेह का सर्वोत्तम संस्थान
लाइफवर्थ हॉस्पीटल
समता कालोनी, रायपुर
हाई ब्लड शुगर का निदान
हाई बी.पी., बच्चों में मधुमेह
मधुमेह और मोटापा
थायराइड और मधुमेह
आँखों में धुंधलापन
पैर में घाव, नसों मे दर्द
समस्त खून जाँच, ईसीजी, ईको की सुविधा
88395 28080, 98261 31347
74404 95504
Ajay 9827144371

MARUTI SUZUKI ARENA
प्रगति की राह की ओर करें ड्राइव
इस गणतंत्र दिवस, मारुति सुज़ुकी एरीना पर उपलब्ध आकर्षक ऑफ़र्स का लाभ उठाएं!

महा बचत
ALTO K10 ₹49 000*
S-PRESSO ₹49 000*
WAGONR ₹39 000*
CELERIO ₹49 000*
EMI STARTING FROM ₹1769^ -PER LAKH-
100%*^ ON-ROAD FUNDING AVAILABLE
SCAN TO CHAT WITH US
ALTO K10 S-PRESSO WAGONR CELERIO
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.
Black glass on the vehicle is due to lighting effect.

SKY AUTOMOBILES
RAIPUR: MAHOBA BAZAR: CALL: 9893307422,9584433191. AVANTI VIHAR: CALL: 9109900120, 9584433131. DHAMTARI: CALL: 9893307417. BALODA BAZAR: CALL: 9584433123, 9111107004. SARAIPALI: CALL: 9584433874. KANKER: 8889998604. KASDOL: 9584433135. SARSIWA: 9584433874. TILDA: 9584465301. KHARORA: 9584465301. ABHANPUR: 9584466869. JAGDALPUR: 9584433110, 9584465281. KONDAGAON: 7909903505.

SPARSH AUTOMOBILES
RAIPUR: PACHPEDI NAKA: CALL: 9926127774, 8435059922. MAHASAMUND: CALL: 8435019922. RAJIM: CALL: 9926104449. BHATAPARA: CALL: 9285505780. GARIYABAND: 9753225616. PITHORA: 9926602080. CHARODA: CALL: 6262043029. DURG: CALL: 6262043029. RAJNANDGAON: CALL: 9977039992. DONGARGARH: CALL: 9827643832. BHILAI: CALL: 9826440009, 9689214825. KHAIRAGARH- 8839811678.

VISHWABHARTI AUTOMOBILES
RAIPUR: MOWA: 6262620000, 6262620012, 6262620047. BASNA: 6262620031. ARANG: 6262620007/14.

HDN MOTORS
RAIPUR: TATIBANDH: CALL: 7909800007, 7909800005. BAGBAHRA : 7909800034. KURUD: 7909800050. SIMGA: 7909800070.

CHOUHAN AUTOMOBILES
BHILAI: 7222910011, 22, 33. KAWARDHA :7222910044. BEMETERA: 7222910025. BALOD: 7222910012. DALLIRAJHARA: 7222910029

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. Finance scheme details mentioned in the advertisement are at the sole discretion of the financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. Credit at the sole discretion of the Bank. 100% on-road funding is provided by select financiers only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. The price given in the ad is based on Raipur prices and are subject to vary based on the dealer city. Above offers are valid till 31ST January 2024.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com